राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 दो दिन पहले दाढ़ी में कलर किया, हर चार दिन में.... | सम्पादकीय | ब्रिक्स ने अमेरिका की नीतियों को दी... | सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी से सात... 5

वर्ष 17 अंक 160 | E-mail: dholpur@hotmail.com | धौलपुर, गुरूवार 10 जुलाई 2025 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

गुजरात में पुल टूटा, चलती गाड़ियां नदी में गिरने से 10 लोगों की मौत, 8 को बचाया

आर.एन.एस

नई दिल्ली। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना ब्रिज बुधवार सुबह टूट गया। हादसे के समय ब्रिज से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा कुल पांच गाड़ियां नदी में गिर गईं। एक टैंकर टूटे सिरे पर फंस गया।

हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 को स्थानीय लोगों ने बचाया। फायर ब्रिगेड की तीन टीमें रेस्क्यू के लिए भेजी गई हैं। 45 साल पुराना यह ब्रिज मध्य गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता था। पुल टूट जाने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड जैसे दक्षिण गुजरात के शहरों से सौराष्ट्र पहुंचने में ज्यादा समय लगेगा। अब इसके लिए अहमदाबाद होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ेगा। हादसे

पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है और पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) से मृतकों के परिजनों को ?2 लाख और घायलों को ?50,000 की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

लोगों ने कहा, हादसे के लिए प्रशासन जिम्मेदार

हादसे के बाद तुरंत ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया। एक स्थानीय युवक ने बताया, हम सुबह से ही बचाव अभियान चला रहे हैं। अब तक 9 शव बरामद हुए हैं, जिनमें से एक बच्चा है और एक बच्चा लापता है। इस दौरान हमें प्रशासन और अधिकारियों से कोई मदद नहीं मिली है। इनका कहना है कि 45 साल पुराने इस पुल की मरम्मत के लिए प्रशासन को कई बार सूचित किया जा चुका है। प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण आज यह हादसा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस हादसे के लिए पूरी तरह से प्रशासन ही जिम्मेदार है।

बिहार में भी चुनाव चोरी करने की कोशिश महाराष्ट्र में ऐसा कर चुके - राहुल गांधी

आर.एन.एस

नई दिल्ली। राहुल गांधी बुधवार को पटना में महागठबंधन के प्रदर्शन में शामिल हुए। बिहार में वोटर लिस्ट की स्क्रीनिंग को लेकर विपक्षी पार्टियां विरोध कर रही हैं। यहां राहुल ने आरोप लगाया कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था, वैसे ही बिहार के चुनाव को चोरी करने की कोशिश की जाएगी।

उन्होंने कहा- इलेक्शन कमिश्नर भाजपा और आरएसएस नेताओं की तरह बात करते हैं। उन्हें (भाजपा) पता चल गया है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया है, वे अब बिहार मॉडल लाए हैं।

ये गरीबों का वोट छीनने का तरीका है। राहुल ने कहा- आपको जो करना है करिए, लेकिन बाद में कानून आप पर हावी होगा। कानून आपको नहीं

छोड़ेंगा। मैं आपको गारंटी दे रहा हूं कि आप कितने ही बड़े क्यों न हो कानून आपको नहीं छोड़ेगा। आप अपना काम नहीं कर रहे हो।

राहुल बोले- विधानसभा चुनाव में 10 प्रतिशत वोटर बढ़े राहुल ने कहा, कुछ महीने पहले महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव हुआ। उसके कुछ महीने बाद महाराष्ट्र और हरियाणा का विधानसभा का चुनाव हुआ।

लोकसभा चुनाव में इंडिया ने जीत दर्ज की। कुछ महीने बाद विधानसभा के चुनाव में हार गई। उस समय हमने ज्यादा कुछ बोला नहीं।

चूरू में वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश, पायलट और को-पायलट की मौत

शवों के टुकड़े मिले, गांव में बिखरा प्लेन का मलबा

आर.एन.एस

चूरू। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायु सेना का जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया है। इस हादसे में विमान के पायलट और को-पायलट शहीद हो गए हैं। जिस जगह प्लेन क्रैश हुआ, वहां बड़े इलाके में फाइटर जेट का मलबा बिखरा पड़ा है।

यह हादसा बुधवार (9 जुलाई) को दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर हुआ। भारतीय वायु सेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की है।

चूरू एसपी जय यादव ने बताया- राजलदेसर थाना क्षेत्र के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले हैं। बताया जा रहा है कि हादसे से पहले तकनीकी कारणों से पायलट इजेक्ट

नहीं कर पाए। पिछले 5 महीनों में देश भर में तीन जगुआर क्रैश हो चुके हैं।

सूरतगढ़ से उड़ा था ट्रेनी जगुआर जेट सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट श्रीगंगानगर के पास सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ा था। यह जेट टू सीटर था, ट्रेनिंग के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक उन्होंने पहले विमान की गड़गड़ाहट सुनी, फिर जोरदार धमाके की आवाज आई। इसके बाद प्रशासन को घटना की जानकारी दी गई। घटना के ठोस कारणों का पता फिलहाल नहीं चला है। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। घटनास्थल पर सेना का एक हेलिकॉप्टर भी पहुंचा है, इस हेलिकॉप्टर को सड़क पर लैंड कराया गया।

यूक्रेन को हथियार सप्लाई रोके जाने से ट्रम्प नाराज

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई पर रोक लगाने नाराजगी जताई है। रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने ट्रम्प को बताए बिना सप्लाई पर रोक लगा दी थी।

इस फैसले से हैरान ट्रम्प ने सोमवार को यूक्रेन को दोबारा हथियार भेजने का आदेश दे दिया है।

पिछले हफ्ते पेंटागन ने ऐलान किया था कि अमेरिका यूक्रेन को कुछ जरूरी हथियार जैसे एयर डिफेंस मिसाइलें, प्रिसिशन गाइडेड आर्टिलरी, पैट्रियट और हेलफायर मिसाइलें देना फिलहाल रोक रहा है।

इसके पीछे कारण बताया गया कि अमेरिका के अपने स्टॉक में इन हथियारों की कमी हो गई है। जिस पर अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने साइन किए थे।

लेकिन ट्रम्प को इस फैसले की जानकारी पहले से नहीं दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने इसे व्हाइट हाउस से बात किए बिना लिया गया

कदम बताया।

पुतिन के खिलाफ ट्रम्प ने सख्त रुख अपनाया

‚क्ककी रिपोर्ट के मुताबिक कैबिनेट मीटिंग में ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, पुतिन हमें हर बार झूठी बातें सुनाता है। वो बहुत मीठा बोलता है, लेकिन उसका कोई मतलब नहीं निकलता।

ट्रम्प ने कहा कि वो युद्ध जल्दी खत्म करना चाहते हैं लेकिन पुतिन की वजह से शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ रही है।

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन का बिहार बंद, 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं

आर.एन.एस

नई दिल्ली। बिहार में बुधवार को महागठबंधन ने चुनाव आयोग के वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बंद का आह्वान किया। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी विरोध में शामिल होने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे और यहां विरोध रैली में शामिल हुए। उनके साथ तेजस्वी यादव और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी भी शामिल हुए।इनकम टैक्स चौराहे से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए निकले। पुलिस ने सभी नेताओं को सचिवालय थाने के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। उन्हें यहां से आगे जाने की परमिशन नहीं दी गई। यहीं से कार्यकर्ताओं को

संबोधित करने के बाद सभी नेता लौट गए। यहां से चुनाव आयोग का ऑफिस करीब 150 मीटर दूर था।

7 जगह ट्रेनें रोकीं, 12 नेशनल हाईवे जाम किए

बिहार बंद के दौरान 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, कटिहार, सुपौल, मधेपुरा, मोतिहारी, वैशाली, पटना और औरंगाबाद में लोग घंटों जाम में फंसे रहे। दरभंगा, भोजपुर, सुपौल, जहानाबाद, पटना, मुंगेर, अररिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों को रोका गया।

आतंकी तहव्वुर की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ी

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली की एनआईए कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ा दी है। वहीं, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को राणा के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट 13 अगस्त को इस चार्जशीट पर सुनवाई करेगा। ये राणा के खिलाफ दूसरी चार्जशीट है। इससे पहले 2011 में पहली चार्जशीट दायर की गई थी। इसमें एनआईए ने राणा को डेविड हेडली और अन्य आतंकवादियों के साथ 26/11 हमले का साजिशकर्ता बताया था।

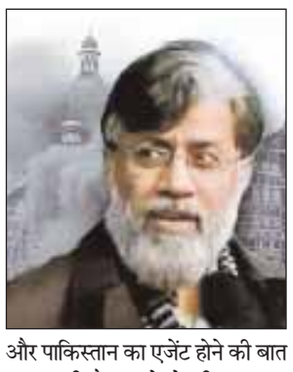

इससे पहले 7 जुलाई को सामने आया था कि ह्ह्व की पूछताछ में राणा ने मुंबई हमले के समय मुंबई में होने

और पाकिस्तान का एजेंट होने की बात कबूल ली है। उसने ये भी माना था कि हमला करने में भी मदद की थी। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल 2025 को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था।

रिटायरमेंट प्लान पर बोले शाह कहा- प्राकृतिक खेती करूंगा, वेद-उपनिषद का अध्ययन करूंगा

आर.एन.एस

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को अपना रिटायरमेंट प्लान बताया।

उन्होंने कहा कि मैं रिटायरमेंट के बाद अपना जीवन वेद, उपनिषद और प्राकृतिक खेती के लिए खर्च करूंगा।

शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती एक ऐसा वैज्ञानिक प्रयोग है, जिससे कई तरह के फायदे हैं। फर्टिलाइजर वाला गेंहू खाने से कैंसर होता है और बीपी, शुगर समेत कई बीमारियां आती हैं। इसलिए केमिकल फ्री खाना खाने से दवाइयों की जरूरत नहीं पड़ती है।

शाह गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान की महिलाओं और सहकारी कार्यकर्ताओं के साथ बात कर रहे थे। इस कार्यक्रम का नाम 'सहकार संवाद' दिया गया। शाह ने कहा;- प्राकृतिक

खेती से उत्पादन भी बढ़ता है। मेरे खेत में नेचुरल फार्मिंग होती है। इससे लगभग डेढ़ गुना बढ़ोतरी हुई है। प्राकृतिक खेती के लिए एक गाय ही काफी॰ जो प्राकृतिक खेती करते हैं, उनके खेत में केचुएं होते हैं। इससे मिट्टी की उर्वरकता भी बनी रहती है। बारिश होने पर पानी भी खेत से बाहर नहीं जाता है। लोगों को ये मालूम होना चाहिए कि केचुएं किसी भी उर्वरक के बराबर काम करते हैं। प्राकृतिक खेती के लिए एक गाय ही काफी है। इसके गोबर से तैयार होने वाली खाद से आप 21 एकड़ की खेती कर सकते हैं।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बैंकिंग जगत में वापस लौटे, अपना वेतन दान करेंगे

आर.एन.एस

नई दिल्ली। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बैंकिंग जगत में वापस आ गए हैं और उन्होंने गोल्डमैन सैक्स समूह में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में नयी भूमिका संभाली है। सुनक अपनी आय को उस शिक्षा चैरिटी को दान करने की योजना बना रहे हैं जिसे उन्होंने हाल ही में अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ मिलकर स्थापित किया है।राजनीति में प्रवेश करने से पहले सुनक ने अमेरिका स्थित बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक में काम किया था। बैंक ने मंगलवार को यह घोषणा की। यह घोषणा पिछले वर्ष चार जुलाई को आम चुनाव में हार के बाद ब्रिटिश भारतीय नेता के मंत्री पद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद आवश्यक 12 महीने की अवधि बीत जाने के बाद की गयी।

ब्रिटेन की व्यावसायिक नियुक्तियों

पर सलाहकार समिति, जिसे पूर्व मंत्रियों द्वारा पद छोड़ने के बाद कम से कम दो वर्षों तक लिए जाने वाले किसी भी पद को मंजूरी देना आवश्यक होता है, ने कुछ शर्तों के साथ अपनी स्वीकृति दी। इन शर्तों का उद्देश्य ÷सरकार के लिए संभावित जोखिमों को कम करना÷ है, जो कि पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में सुनक को प्राप्त विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी तक उनकी पहुंच से संबंधित हैं।

इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि उनकी नयी नौकरी से मिलने वाला वेतन धर्मार्थ संस्था 'रिचमंड प्रोजेक्ट' को दिया जाएगा जिसकी घोषणा इस वर्ष की शुरुआत में मूर्ति के साथ एक संयुक्त पहल के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य इंग्लैंड में बच्चों और युवाओं के बीच गणित और अंकगणित कौशल में सुधार लाना है।इस हफ्ते प्रकाशित समिति के परामर्श में लिखा है, ÷गोल्डमैन सैक्स की ब्रिटेन सरकार की नीतियों में गहरी दिलचस्पी है। पूर्व प्रधानमंत्री होने के नाते, यह चिंता वाजिब है कि आपकी नियुक्ति को ब्रिटेन सरकार के भीतर अनुचित पहुंच और प्रभाव प्रदान करने वाली माना जा सकता है।

इसमें कहा गया, आपने और गोल्डमैन सैक्स ने समिति के समक्ष पुष्टि की है कि इस भूमिका में सरकार के लिए लामबंदी शामिल नहीं होगी,

यूपी में भारी बारिश

आर.एन.एस

नई दिल्ली। यूपी बुधवार को भारी बारिश जारी है। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई।

वाराणसी में दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट तक पानी पहुंच गया है। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है।

मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए, दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं, जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं।

एमएनएस कार्यकर्ताओं ने हिंदी भाषी रिक्शा ड्राइवर से माफी मंगवाई, मराठी युवक से झगड़ा हुआ था

आर.एन.एस

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में हिंदी भाषी रिक्शा ड्राइवर का एक मराठी पैसेंजर से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। बात मारपीट तक पहुंच गई। इस विवाद में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ताओं ने दखल दिया। भिवंडी नगर अध्यक्ष मनोज गुलवी ने ड्राइवर को माफी मांगने पर मजबूर किया। गुलवी ने धमकी दी कि आगे अगर किसी किसी मराठी युवक को छूने की कोशिश की, तो देख लेना हाथ कहां जाएगा।

कुछ दिन पहले गुजराती दुकानदार से मारपीट हुई थी ठाणे में ही स्न्ह्रस्कार्यकर्ताओं ने गुजराती दुकानदार से मारपीट की थी। बहस दुकानदार के मराठी न बोलने पर हुई थी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो 30 जून का था। कार्यकर्ता ने दुकानदार से कहा कि तुमने मुझसे पूछा कि मराठी क्यों बोलनी चाहिए? जब तुम्हें परेशानी थी, तब तुम एमएनएस ऑफिस आए थे।

दुकानदार ने जवाब में कहा कि उसे नहीं पता था कि मराठी बोलना अब जरूरी हो गया है। इस पर एक कार्यकर्ता गाली देते हुए दुकानदार को धमकाता है कि उसे इस इलाके

में कारोबार नहीं करने दिया जाएगा। बहस के दौरान दुकानदार से मारपीट की गई थी।

जब दुकानदार पूछता है कि उसे मराठी सीखनी पड़ेगी, तो एक कार्यकर्ता कहता है, हां, ऐसा कहो। लेकिन ये क्यों पूछ रहे हो कि मराठी क्यों सीखनी चाहिए? ये महाराष्ट्र है। महाराष्ट्र में कौन-सी भाषा बोली जाती है?

दुकानदार कहता है- सभी भाषाएं, तो एक कार्यकर्ता उसे थप्पड़ मार देता है। फिर कार्यकर्ता दुकानदार को दो बार थप्पड़ मारता है। दुकानदार कुछ समझाने की कोशिश करता है, लेकिन उसे चार बार और थप्पड़ मारे जाते हैं।

पुराने वाहनों को 1 नवंबर से नहीं मिलेगा फ्यूल दिल्ली सहित 5 शहरों में नियम लागू होगा

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली में एंड-ऑफ-लाइफ या ओवरएज वाहनों पर फ्यूल प्रतिबंध 1 नवंबर तक स्थगित कर दिया गया है। वायु गुणवत्ता आयोग की मंगलवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया।

जो डीजल गाड़ियां 10 साल से पुरानी और पेट्रोल गाड़ियां 15 साल से पुरानी होती हैं उन्हें EOL वाहन कहा जाता है। पहले जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, ऐसे वाहनों को 1 जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाना था। अब इन्हें 31 अक्टूबर तक राहत दी गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने 3 जुलाई को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया था।

दरअसल, छ्वक्तरू ने अप्रैल में

आदेश दिया था कि 1 जुलाई से पुराने वाहनों में ईंधन नहीं डाला जाएगा, ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। ये नियम दिल्ली के अलावा गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और सोनीपत में भी लागू होगा।

दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता आयोग को लेटर लिखकर पुराने वाहनों पर ईंधन भरवाने की रोक को फिलहाल रोकने की अपील की है। ये जानकारी गुरुवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दी।

एक मार्च को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा था कि जुलाई से 15 साल और उससे ज्यादा पुराने वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। एयर पॉल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार ने यह कदम उठाया है।

उन्होंने कहा था कि हम पेट्रोल पंपों पर गैजेट लगा रहे हैं जो 15 साल से पुराने वाहनों की पहचान करेंगे। ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा।

पशुपालन मंत्री ने किया गौशाला का निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चाकसू । राजस्थान सरकार के पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को चाकसू स्थित कामधेनु गौशाला का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला गौवंश की देखरेख, स्वास्थ्य व्यवस्था, चारे-पानी की उपलब्धता और सफाई व्यवस्था का जायज़ा भी लिया । निरीक्षण के दौरान मंत्री ने गौसेवकों से संवाद कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताओं को भी समझा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गौवंश संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और गौशालाओं को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है । उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौशाला में असुविधा ना हो और समय-समय पर चिकित्सा शिविर एवं टीकाकरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए । गौशाला समिति और स्थानीय लोगों ने मंत्री का स्वागत करते हुए उनके दौरे के लिए आभार व्यक्त किया।

"मेरा वृक्ष मेरा भाई अभियान"

सेवा, समर्पण, प्रेरणा, त्याग , निष्ठा, प्रकृति पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मित्राय बी ह्यूमन इंडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में 9 जुलाई बुधवार को वृक्षारोपण एवं वृक्ष वितरण का कार्यक्रम रेलवे स्टेशन दुर्गापुरा एवं रेलवे कॉलोनी में किया गया । टीम मित्राय वर्ष 2011 से निरंतर समाज और पर्यावरण हेतु अनेकों क्षेत्रों में कार्य कर रही है ।संस्था ने अब तक सामाजिक-पर्यावरणीय पहल को सघन रूप दिया है–53,000 से ज्यादा वृक्ष, 48,000 से ज्यादा पक्षी के परिंडे । इस प्लांटेशन ड्राइव में मुख्य अतिथि सीपीआरो, उत्तर पश्चिमी रेलवे शशि किरण, पुनीत कर्णावत उप महापौर (ग्रेटर), रेलवे प्रशासन , मित्राय टीम उपस्थित रहे । पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण में मेरा वृक्ष मेरा भाई अभियान में ये ड्राइव रखी गई । शशि किरण ने बताया मित्राय फाउंडेशन की रेलवे विभाग मित्राय के साथ मिल कर आगामी दिनों में अन्य रेलवे स्टेशन और कॉलोनी में आगे भी इस तरह के प्लांटेशन ड्राइव रखेंगे। वृक्षारोपण अभियान ने न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि स्थानीय रेलवे स्टाफ और प्रशासन के साथ सामूहिक प्रयास की मिसाल भी पेश की। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक भागीदारी और सरकारी संस्थाओं से सहयोग का एक आदर्श उदाहरण है । पुनीत कर्णावत बताया कि राजस्थान जैसे प्रदेश में हरियाली बहुत जरूरी है और उसके लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाए। ये कार्यकम समाज में अन्य सभी के लिए प्रेरणा है। भविष्य और पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु पेड़ लगाना अत्यंत जरूरी है ।

फाउंडर डॉ विनीत शर्मा ,योग गुरु रश्मि शर्मा ने आगामी कार्यक्रमों और संस्था के कार्यों के बारे में बताया । फाउंडर डॉ विनीत शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था सेवा भाव से मानव, जीव जंतुओं और पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे बढ़ कर काम कर रही है । आज का जो पर्यावरण है, आने वाली पीढ़ियां ऐसा देख सकें । जिस प्रकार विलुप्त होते पर्यावरण को हम नहीं देख सके परंतु जो आज का पर्यावरण है उसे आने वाली पीढ़ियां भी देख सके उस भाव से हमारी संस्था यह काम कर रही है और हम लोगों को जागरूक करके पर्यावरण संरक्षण की अपील करते हैं । कार्यक्रम में सतीश कुमार, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय), रेलवे, मुकेश मंडल अभियंता, रेलवे, विपिन जैन, सहायक मंडल अभियंता, प्रवीण उपाध्याय, रवि जैन, अभिषेक पाटनी, ओमप्रकाश चौधरी, अंकुर पाटनी, नूपुर जैन एवं अन्य काफी लोग उपस्थित रहे ।

अंतिम छोर पर बैठे आमजन को मिले चिकित्सा सुविधाएं-दायमा

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी दायमा ने किया पदभार ग्रहण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जावला । सोमवार को निकटवर्ती ग्राम खेड़ी खींवसी के राजकीय अस्पताल में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मुकेश दायमा जीनगर ने पदभार ग्रहण कर लिया। दायमा इससे पहले बिहार पटना में पदस्थापित थे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने दायमा का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर दायमा ने कहा कि अंतिम छोर पर बैठे आमजन तक गुणवत्तापूर्ण एवं निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता में रहेगा ।

राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करेंगे और आमजन को अधिकाधिक लाभान्वित करेंगे। आपसी सामंजस्य बनाते हुए बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना प्राथमिकता रहेगी। राज्य सरकार की योजनाओं से आमजन को फायदा मिलना चाहिए। इस अवसर पर तेजाजी सेवा समिति अध्यक्ष मोतीराम गौरा, डॉ हरीश शर्मा, मंडल अध्यक्ष अमित आसोपा, पीईओ शमीम बानो, पीटीआई मेघाराम दडिया, राजेंद्र रामावत, भाऊराम बिंदा, रतनलाल, मोतीराम जी गोरा,सिम्बूराम नराधनिया, भाऊराम बिन्दा, मेघाराम दड़िया, रंगलाल गोदारा, एएनएम शारदा, राजेंद्र कालीराणा, रेखाराम, नेमाराम बाजडोलिया, मुन्नालाल पारीक, जवानाराम बिन्दा, रिछपाल लौरा, अल्ताफ खान, उपसरपंच नरसिंहलाल जांगिड़, राहुल वैष्णव, शिवलाल जांगिड़, दुलीचंद आदि ग्रामीण मौजूद रहे ।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद आज पहली बार अपने गृह क्षेत्र झुंझुनूं आएंगे एमडी चोपदार, स्वागत की जोरदार तैयारियां

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

झुंझुनूं । मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चोपदार को कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद वे पहली बार गुरूवार को अपने गृह क्षेत्र झुंझुनूं आएंगे। यहां पर उनके स्वागत की जोरदार तैयारियां की गई है। चोपदार सुबह जयपुर से रवाना होने के बाद साढ़े आठ बजे चौमूं पहुंचेंगे। जहां पर बाईपास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। इसके बाद नौ बजे रींगस बाईपास पर, 9.25 पर पलसाना बाईपास पर, 9.50 पर रानोली बाईपास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। रानोली से सुबह 10.15 बजे चोपदार सीकर पहुंचेंगे। यहां पर गोकुलपुर चौराहे पर जिला यूथ कांग्रेस की ओर से स्वागत होगा। वहीं सीकर में ही 10.25 बजे सर्किट हाउस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जाएगा । यहां पर प्रेस वार्ता भी करेंगे। सर्किट हाउस सीकर से रवाना होकर 10.45 बजे सीकर–जयपुर–झुंझुनूं बाइपास पर हीरो मोटरसाइकिल शोरूम पर चोपदार पहुंचेंगे। जहां पर हवारियान वेलफेयर युवा समिति सीकर व कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत होगा। जहां से रवाना होने के बाद सुबह 11.15 बजे नवलगढ़ में सीकर–नवलगढ़ सीमा पर, नवलगढ़ में ही होटल होलिडे पर 11.30 बजे, नवलगढ़ पंचायत समिति में 11.40 बजे, नवलगढ़ में ही खालिद लंगा के होटल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जाएगा ।

नवलगढ़ से रवाना होने के बाद चोपदार 12.10 बजे डूंडलोद पहुंचेंगे। सोनापुर बस स्टैंड पर और 12.30 बजे मुकुंदगढ़ के भाटी होटल पेट्रोल पंप के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। मुकुंदगढ़ से रवाना होने के बाद ढिगाल टोल पर चोपदार के 12.50 बजे पहुंचने का कार्यक्रम में है। जहां पर उनका कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत होगा। वहीं दोपहर 1.10 बजे पीरूसिंह सर्किल और कलेक्ट्रेट सर्किल पर अमर शहीदों व महापुरूषों की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करने के बाद दोपहर डेढ बजे कुरैशी गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। जहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और सर्व समाज द्वारा आयोजित अपने अभिनंदन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे व कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम का संचालन सुविख्यात हास्य कवि हरिश हिंदुस्तानी द्वारा किया जाएगा ।

टीमों ने दिया घर—घर न्यौता, ऐतिहासिक होगा कार्यक्रम: इस कार्यक्रम को लेकर गठित की गई अभिनंदन व स्वागत समिति के संयोजक इमरान बड़गुर्जर ने बताया कि चोपदार जिस सड़क मार्ग से झुंझुनूं के कार्यक्रम स्थल तक आएंगे। उन सभी रास्तों पर उनके समर्थकों द्वारा स्वागत के लिए बड़े बड़े होर्डिंग लगाए गए है। इसके अलावा टोलियों ने घर घर जाकर इस कार्यक्रम में आने का न्यौता दिया है। सर्वसमाज में इस बात को लेकर उत्साह है कि जिस तरह कांग्रेस ने एक जमीन से जुड़े कार्यकर्ता को पहले मदरसा बोर्ड का चेयरमैन बनाया और अब अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष जैसी प्रमुख जिम्मेदारी दी है।

भारत का बहुप्रतीक्षित फोन एआई प्लस स्मार्टफोन आ गया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

भारत में डिज़ाइन किया गया, गोपनीयता सर्वोपरि, प्रदर्शन-केंद्रित, दुनिया के लिए भारत का स्मार्टफोन

भारत में डिज़ाइन किया गया, दुनिया के लिए तैयार

एआई प्लस स्मार्टफोन यूनाइटेड टेलीलिंक्स (बेंगलुरु) लिमिटेड द्वारा नोएडा फैक्ट्री में निर्मित किए जा रहे हैं, जो भारत की आत्मनिर्भर डिजिटल अवसंरचना की दिशा में नेक्स्टक्वांटम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सॉफ्टवेयर से लेकर सप्लाई चेन तक, सब कुछ भारत की प्राथमिकताओं के अनुसार अनुकूलित किया गया है। लेकिन जो एआई प्लस स्मार्टफोन को वाकई अलग बनाता है, वह है इसका उद्देश्य। लंबी बैटरी लाइफ, हाई-डेफिनिशन डिस्प्ले, डुअल सिम विकल्प और बेहतरीन कैमरा परफॉर्मेंस के साथ, ये फोन भारतीय यूज़र्स की ज़रूरतों के हिसाब से डिज़ाइन किए गए हैं–उनके जीवन, काम, शिक्षा और संपर्क को ध्यान में रखते हुए। ये फोन क्षेत्रीय भाषाओं, स्थानीय कंटेंट और नेक्स्टक्वांटम के थीम डिज़ाइनर टूल के ज़रिए कस्टमाइज़ करने की सुविधा भी देते हैं।

नई दिल्ली । भारत के डिजिटल भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, नेक्स्टक्वांटम ने आज एआई प्लस स्मार्टफोन लॉन्च किया–भारत का पहला पूरी तरह से स्वदेशी स्मार्टफोन, जो पूरी तरह से भारत में तैयार किया गया है, भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित है, और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ डाटा गोपनीयता की पूरी गारंटी देता है। इस लॉन्च का नेतृत्व माधव शेठ, सीईओ, एआई प्लस स्मार्टफोन और संस्थापक, नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीजने किया, उनके साथ शशिकुमार श्रीधरन, मैनेजिंग डायरेक्टर, गूगल क्लाउड इंडिया और स्मृति रविचंद्रन, वाइस प्रेसिडेंट ङ्क मोबाइल्स, फ्लिपकार्ट मौजूद थे । यह सिर्फ एक प्रोडक्ट लॉन्च नहीं बल्कि मोबाइल इनोवेशन में एक नया अध्याय है–जहां प्रदर्शन उद्देश्य से मिलता है और यूज़र्स को अपने डेटा पर असली नियंत्रण मिलता है । भारत में बना, भारत के लिए और दुनिया के लिए तैयार, एआई प्लस स्मार्टफोन भारत के पहले स्वदेशी मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम नेक्स्टक्वांटम OS पर चलता है। यह स्मार्टफोन प्रदर्शन, किफायती कीमत और गोपनीयता का अनूठा संगम है। यह भारतीय यूज़र्स को विदेशी डिवाइसेज़ और अपारदर्शी सॉफ्टवेयर सिस्टम्स के विकल्प के रूप में पूर्ण नियंत्रण और पारदर्शिता प्रदान करता है। इस लॉन्च के साथ, नेक्स्टक्वांटम यह परिभाषित कर रहा है कि स्मार्टफोन युग में स्वामित्व, पारदर्शिता और डिजिटल विश्वास का असली मतलब क्या होना चाहिए। माधव शेठ और उनकी टीम द्वारा तैयार एआई प्लस स्मार्टफोन लाइनअप में दो मॉडल शामिल हैं–पल्स और नोवा 5जी–दोनों नेक्स्टक्वांटम OS पर आधारित हैं और पांच आकर्षक रंगों में उपलब्ध हैं । माधव शेठ ने कहा, ÷एआई प्लस स्मार्टफोन का उद्देश्य भारतीय यूज़र्स को फिर से नियंत्रण देना है,अब तक हमने ऐसे फोनों और प्लेटफार्म्स पर भरोसा किया जो भारत के लिए बनाए ही नहीं गए थे। एआई प्लस स्मार्टफोन इसे बदलता है–ये फोन तेज़ हैं, खूबसूरती से डिज़ाइन किए गए हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात, ये आपके डेटा को सुरक्षित रखते हैं ।

अब फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध

एआई प्लस स्मार्टफोन की पूरी रेंज अब Flipkart और अन्य चैनलों पर लाइव है, शुरुआती कीमत 4,499 से। ये फोन आकर्षक रंगों और स्टोरेज विकल्पों में उपलब्ध हैं।

÷फ्लिपकार्ट पर हमने देखा है कि ग्राहक अब ऐसे स्मार्टफोन्स की मांग कर रहे हैं जो सिर्फ किफायती नहीं, बल्कि भरोसेमंद भी हों, वाइस प्रेसिडेंट फ्लिपकार्ट स्मृति रविचंद्रन ने कहा। ÷हम एआई प्लस स्मार्टफोन को अपने ग्राहकों तक लाकर गर्व महसूस कर रहे हैं–एक ऐसा प्रोडक्ट जो प्रदर्शन, प्राइवेसी और उद्देश्य को एकसाथ लाता है।

लादूनाथ महाराज की बगीची में आज होंगे धार्मिक आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जावला । ग्राम कुराड़ा में लादुनाथजी महाराज की बगीची तीन दिवसीय गुरु पुर्णिमा महोत्सव का आगाज गुरुवार से होगा। भूमि विकास बैंक उपाध्यक्ष अणदाराम चोयल व नरसीराम बाजिया ने बताया कि महाराज के परम शिष्य रामाकिशन महाराज (इंदौर) के सानिध्य में अखंड रामायण पाठ, यज्ञ व भजन संध्या, शोभायात्रा व महाआरती के साथ महाप्रसादी का आयोजन होगा। धार्मिक अनुष्ठानों को लेकर बगीची में स्थित मंदिर को रोशनी से सराबोर किया गया है। कार्यक्रमों में हजारों की संख्या में लोग आयेंगे ।

माकपा के जन संगठन एफसीआई व सीटू मजदूर यूनियन की देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन कर 21 सूत्री मांग पत्र सौंपा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

श्रीविजयनगर । माकपा के जन संगठन एफसीआई व सीटू मजदूर यूनियन श्रीविजयनगर द्वारा 9 जुलाई की देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करके कर उपखंड अधिकारी को 21 सूत्री मांग पत्र बाबा ज्ञानचंद की अध्यक्षता में सौंपा माकपा तहसील सचिव गुरसेवक ग्रेवाल ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किये गए मजदूर विरोधी चारो श्रम सहिंता लेबर कोड बिल रद्द करो ओर पूर्व मे बने मजदूर हित के सभी 44 श्रमिक कानूनों का वापस मजदूरो के हित मे लागू करो, श्रमिक कल्याण बोर्ड एक्ट 1996 को कठोरता से लागू करो, मजदूरो का श्रम विभाग मे पंजीकरण श्रमिक के मूल दस्तावेज के आधार पर करो, असंगठित क्षेत्र के ईट भट्ठा व माइग्रेंट मजदूरों के ई श्रमिक कार्ड बनाने के लिए श्रम विभाग के द्वारा केंप लगा कर बनाने के लिए पाबंद किया जाए ,किसानो की सम्पूर्ण फ़सल को खरीद करने के लिए ष्ट2+50ब फार्मूले के अनुसार खरीद का समर्थन मूल्य का गारंटी क़ानून लागु करो। व माकपा नेता भवानी पंवार ने बताया कि गंगानगर हनुमानगढ़ जिला ईट भट्ठा उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र है यह ईट भट्ठों पर हजारों प्रवासी अप्रवासी मजदूरों का रोजगार चला है एन जी टी राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा ईट भट्ठों पर काम एक जनवरी से 30 जून तक कर दिया है जिससे मजदूरों के रोजगार में चार महीने की कटौती हो गई है व मजदूर को जून के महीने में भयंकर गर्मी में काम करना पड़ेगा जिससे मजदूरों के स्वास्थ्य पर गर्मी का बड़े स्तर पर प्रभाव पड़ेगा और पक्की ईट का प्रोडक्शन कम होने से ईट के भावों में भारी वृद्धि होगी आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा इस लिए 1 नवंबर से 30 मई तक ईट भट्ठों पर काम चलाने की छुट दी जाएं, पुरानी पेशन योजना बहाल करो।

वंदे भारत ने जीता जापानियों का दिल, ओसाका एक्सपो भारतीय रेल की धूम

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारतीय रेल की धूम मची है। भारतीय पवेलियन में न केवल भारतीय प्रवासी बल्कि जापानी नागरिकों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है। एक्सपो पहुंचने वाले लोगों में वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज को लेकर जबरदस्त उत्सुकता देखी जा रही है। लोग इनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। कई जापानी आगंतुकों को यह जानकर आश्चर्य हो रहा है कि भारत में इतनी तेज रफ्तार और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली ट्रेनें अब आम हो गई हैं। वंदे भारत की एयरोडायनॉमिक डिजाइन, इनबिल्ट सुरक्षा फीचर्स और सेमी हाई-स्पीड क्षमताओं ने तकनीक प्रेमियों को आकर्षित किया है । वहीं, चिनाब ब्रिज - जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक बनकर उभरा है। हिमालय की घाटियों में बना यह ब्रिज न केवल तकनीकी चुनौती को परास्त करता है, बल्कि भारत के उत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद अहम है। जापानी दर्शक, खासकर इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के छात्र, चिनाब ब्रिज के 3D प्रेजेंटेशन और इंटरैक्टिव मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं और इसके निर्माण से जुड़े विवरणों को जानने में गहरी रुचि ले रहे हैं । वंदे भारत ट्रेन और चिनाब ब्रिज आधुनिक भारतीय रेल का चमकता सितारा है। बदलते भारत की पहचान है। बीते एक दशक में वंदे भारत ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ रेल यात्रा को नई पहचान दी है। यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ तेज रफ्तार यात्रा की सुविधा मिल रही है । भारतीय रेल ने देश के हर कोने में वंदे भारत के संचालन से कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है । पूरे देश में करीब 140 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसे वरिष्ठ नागरिकों के साथ युवाओं के बीच अपार लोकप्रियता मिली है । इस ट्रेन में वातानुकूलित कोच, स्वचालित दरवाजे, बायो टॉयलेट्स, जीपीएस सूचना प्रणाली, ऑनबोर्ड कैटरिंग, वाई-फाई, और सीसीटीवी सुरक्षा जैसी सुविधाएं हैं। ये सुविधाएं यात्रियों को एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव प्रदान करती हैं, जो पहले साधारण ट्रेनों में संभव नहीं था। वंदे भारत ट्रेनें वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है । विश्व एक्सपो 2025, जो कि 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारत के लिए वैश्विक मंच पर अपनी उपलब्धियों और नवाचारों को साझा करने का एक सुनहरा अवसर है।

पंजाब नेशनल बैंक की बीरबल चौक शाखा श्रीगंगानगर के समक्ष कर्मचारियों ने ज़ोरदार प्रदर्शन कर नारे लगाए

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

श्रीविजयनगर । केंद्र सरकार की जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ, 17 सूत्री मांगों को लेकर दस केंद्रीय श्रमिक संगठनों एवं सैकड़ों स्वतंत्र ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर देशभर के करोड़ों कामगार, कर्मचारी एवं अधिकारी आज बुधवार को हड़ताल पर रहे इसी क्रम में आल इंडिया बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन से सम्बद्ध राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लाइज यूनियन के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने पंजाब नेशनल बैंक की बीरबल चौक शाखा श्रीगंगानगर के समक्ष ज़ोरदार प्रदर्शन किया व नारे लगाए। यूनाइटेड फ्रंट ऑफ बैंक एम्प्लाइज के संरक्षक एवम पंजाब नेशनल बैंक एम्प्लाइज यूनियन, राजस्थान के महासचिव पवन गोयल ने श्रम संगठनों की 17 सूत्री मांगों व बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के कामगारों की मांगों के बारे में विस्तार से बताया। सभा को पंजाब नेशनल बैंक एम्प्लाइज यूनियन के सचिव गौरव चावल, सचिव पंकज नागपाल, संयोजक सतीश नागपाल, पंकज यादव, खुशबू, कमलजीत, मंजू सांगा, मीनाक्षी सोनी, बैंक ऑफ इंडिया से उपाध्यक्ष मनोज कुमार व सहायक सचिव संजीव कुमार, केनरा बैंक से कुलदीप गोदारा, आल इंडिया पीएनबी ऑफिसर्स एसोसिएशन से संजय बिश्नोई व कुलदीप सोनी, गंगानगर केंद्रीय सहकारी बैंक से महेश सिरोही ने सम्बोधित किया। मांगों के बारे में विस्तार से बताया। पंजाब नेशनल बैंक एम्प्लाइज यूनियन के सचिव पंकज नागपाल ने बताया कि हड़ताल के कारण बैंक, बीमा, सामान्य बीमा, राज्य, केंद्र, बीएसएनएल, आयकर, पोस्ट ऑफिस, कोयला, रक्षा, आशा, उषा, आंगनवाड़ी, मध्यान भोजन कर्मी, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, खेत, खदान ,खलियान, भवन निर्माण, सार्वजनिक उपक्रमों एवं अन्य संस्थानों के करोड़ों कामगार भाग ले रहे हैं ।

बाजवास सीएचसी बनेगा आयुष्मान मॉडल, मरीजों के लिए 1323 दवा व 97 जांच निशुल्क होगी

भामाशाह सम्मान समारोह में पूर्व विधायक किनसरिया ने की घोषणा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जावला । बुधवार को निकटवर्ती ग्राम बाजवास के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, अमेरिका के प्रवासी भामाशाह नवलप्रकाश जाजोरिया, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनीता रांदड़ ने शिरकत की। ग्रामीणों की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए पूर्व विधायक किनसरिया ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्थाओं में सुधार की दिशा में राज्य एवं केंद्र सरकार बेहतर प्रयास कर रही हैं। दूर-दराज के क्षेत्र के मरीजों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के लिए विधानसभा क्षेत्र में एक सीएचसी को मॉडल सीएचसी के रूप में स्थापित किया जाएगा। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने बाजवास सीएचसी को आदर्श सीएचसी बनाने की घोषणा की। प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्थाओं में सुधार की दिशा में और बेहतर प्रयास होंगे। इन सीएचसी पर सभी प्रकार की चिकित्सकीय सुविधाएं मरीजों को उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में किनसरिया ने प्रवासी भामाशाह जाजोरिया का साफा एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री नवनील गौड़, पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाश सेन, संयोजक मूलचंद शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष इस्लाम पठान, बीसीएमओ डॉ रविंद्र सिंह, सरपंच नरेंद्रसिंह मोड़ीखुर्द, राजेंद्र मोयल, नाथूराम वैष्णव, अजीत सिंह नैनिया, मोनूसिंह नैनिया, मोहम्मद याकूब, महेश जोशी, कृपाल सिंह मंडोवरी, मंडल अध्यक्ष अमित आसोपा, खुर्शीदा बेगमत, वीडीओ जितेंद्र चौधरी, जमील बिसायती, अनिल चौहान सहित बड़ी में ग्रामीण मौजूद रहे।

मॉडल सीएचसी में होगी ये सुविधाएं-

1323 प्रकार की दवा और 97 प्रकार की हो सकेंगी जांच-

मॉडल सीएचसी में मरीजों को ओपीडी व आइपीडी में जनरल मेडिसनर, सर्जरी, स्त्री रोग, शिशु रोग विशेषज्ञ, डेंटल व आयुष से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए **श्रावण मास में काँवड़ मेला** के अवसर पर **दिनांक 11.07.2025 से 24.07.2025 तक** के लिये **रायवाला/मोतीचूर/ज्वालापुर स्टेशनों** पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	आवृत्ति	स्टेशन पर ठहराव	ठहराव का समय	
				आगमन	प्रस्थान
14113	सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला	11:14	11:16
			मोतीचूर	11:04	11:06
			ज्वालापुर	10:43	10:45
14309	उज्जैन-देहरादून एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	17:35	17:37
			मोतीचूर	17:00	17:02
			ज्वालापुर	15:53	15:55
14317	इन्दौर-देहरादून एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	17:35	17:37
			मोतीचूर	17:00	17:02
			ज्वालापुर	15:53	15:55
19565	ओखा-देहरादून एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला	17:35	17:37
			मोतीचूर	17:00	17:02
			ज्वालापुर	15:53	15:55
14114	देहरादून-सूबेदारगंज एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला	14:15	14:17
			मोतीचूर	14:34	14:36
			ज्वालापुर	15:15	15:17
14310	देहरादून-उज्जैन एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	07:08	07:10
			मोतीचूर	07:24	07:26
			ज्वालापुर	07:52	07:54
14318	देहरादून-इन्दौर एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	07:08	07:10
			मोतीचूर	07:24	07:26
			ज्वालापुर	07:52	07:54

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1199/25(A)

एडीएम ने दी निर्वाचन आयोग के प्रावधानों की जानकारी एवं बीएलओ ऐप का प्रशिक्षण

धौलपुर में बीएलओ प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बीटी के निर्देशन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी हरिराम मीना की मौजूदगी में नगर परिषद सभागार मचकुंड रोड़ धौलपुर में बीएलओ प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान केंद्र स्तर पर निर्वाचन संबंधी कार्यों के निष्पादन में बूथ लेवल ऑफिसर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बीएलओ और सुपरवाइजर को उनके दायित्व एवं शक्तियों की जानकारी दी। प्रशिक्षण शिविर में धौलपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 79 के भाग संख्या 101 से 150 के बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर डीएलएमटी अतुल चौहान और देवेंद्र बघेला, बालमुकुंद बंसल और श्याम बघेला ने प्रोजेक्टर के माध्यम से बीएलओ ऐप और वोटर हेल्पलाइन ऐप सहित प्रपत्र 6, 6क, 7 और 8 संबंधित प्रशिक्षण दिया। एईआरओ, रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी तहसीलदार धौलपुर अल्का श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए बीएलओ के दायित्व, जिम्मेदारी तथा निर्वाचन कौन कर सकता है और कौन नहीं संबंधी जानकारी दी गई।

निर्वाचक नामावली से संबंधित क्षेत्र, भाग में आवंटित सेक्शन, मोहल्लों और आवंटित निर्वाचकों के

» धौलपुर..नगर परिषद सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में बीएलओ जानकारी देते एडीएम मीना

तीन दिन में 156 बूथ लेवल अधिकारियो को दी गई ट्रेनिंग

बाड़ी। शहर के पंचायत समिति परिसर में राज्य निर्वाचन विभाग के आदेश पर धौलपुर कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर शहर के पंचायत समिति कार्यालय में बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 07 जुलाई से शुरू हुए इस प्रशिक्षण शिविर में विधानसभा के 261 बूथों मे से अब तक 156 बीएलओ को यह प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 15 जुलाई तक जारी रहेगा। बुधवार को प्रशिक्षण शिविर में भाग संख्या 105 से 156 तक के बीएलओ को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण शिविर को लेकर बाड़ी एसडीएम ऑफिस के निर्वाचन कार्यालय के राकेश शर्मा ने बताया कि एसडीएम भगवत शरण त्यागी और तहसीलदार उत्तम चंद्र बंसल के सुपरविजन में सभी बीएलओ को एक

» बाड़ी.. शिविर में प्रशिक्षण लेते बीएलओ

दिवसीय प्रशिक्षण शिविर दिया जा रहा है। जिसमें आगामी 1 जनवरी से मतदाता सूचियां का पुनरीक्षण करने के लिए जानकारी दी जा रही है। इस दौरान सभी मतदाताओं से गणना प्रपत्र संकलित किए जाएंगे। जिससे नई वोटर लिस्ट का प्रारूप प्रकाशन और अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

ऐसे में शिविर में सभी बीएलओ को यह जानकारी दी गई है कि वे मतदाता से किस प्रकार आवेदन ले। फॉर्म संख्या 6 नाम जोड़ने के लिए,6 प्रवासी भारतीयों के नाम जोड़ने के लिए,फार्म संख्या 7 नाम पृथक करने, फार्म संख्या 8 नाम संशोधन, नवीन पहचान पत्र, भाग संख्या नाम ट्रांसफर और दिव्यांग मतदाताओं के लिए भरा जाएगा। सभी बीएलओ से इस दौरान चुनाव आयोग से प्राप्त एक टेस्ट पेपर को लिंक के माध्यम से हल कराया है। प्रशिक्षण शिविर में एक्सपर्ट ट्रेनर मुकेश अग्रवाल, भारत भूषण भारद्वाज, दिनेश शर्मा, अमर सिंह, सोनू शर्मा, राकेश शर्मा के साथ प्रिंसिपल दीपक शिवहरे और व्याख्याता राजू खान का विशेष सहयोग रहा है।

संख्या की जानकारी प्राप्त करने की जानकारी दी। कार्यक्रम में ईआरओ कार्यालय के बृजमोहन कुलश्रेष्ठ, पुनीत, मनीष, स्वीप मीडिया सेल के भगवान सिंह मीना सहित सभी बीएलओ मौजूद रहे। अधिकारियों ने निर्वाचन आयोग के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी भी प्रतिभागियों को दी। सभी बीएलओ ने 5 -5 के ग्रुप बनाकर रोल प्ले, समूहों का गठन कर घर घर सर्वेक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया।

गुरु पूर्णिमा पर होगा गुरुओं का वंदन, गुरु दक्षिणा का भी आयोजन

बाड़ी। गुरुवार को आषाढ़ मास पूर्णिमा यानि गुरु पूर्णिमा पर गुरुओं का वंदन होगा साथ में गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर गुरुओं द्वारा अपने आश्रमों,मंदिरों के साथ गुरु स्थान पर कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी की जा रही है। शहर का सबसे बड़ा आयोजन तुलसी वन रोड स्थित मानस भवन भवन बम-बम बाबा आश्रम पर किया जाएगा। जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु भोग प्रसादी ग्रहण करेंगे और बम-बम बाबा का आशीर्वाद लेंगे। मानस भवन के संत बम-बम बाबा ने बताया कि हर गुरु पूर्णिमा पर हजारों की संख्या में स्थानीय और बाहरी शिष्य उनके आश्रम पर पहुंचते हैं और आशीर्वाद लेने के साथ भोग प्रसादी पाते हैं। इस बार के आयोजन में चार हजार से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है। जिसको लेकर आश्रम से जुड़े श्रद्धालुओं द्वारा तैयारियां की गई है। वहीं शहर के सरमथुरा रोड स्थित बामनी नदी श्री राम दरबार आश्रम पर संत बनवारी दास महाराज द्वारा भी गुरु पूर्णिमा पर्व पर कार्यक्रम किया जा रहा है। इसके अलावा शहर के विभिन्न मंदिरों और संत आश्रमों के साथ गुरु स्थान पर भी कार्यक्रम की तैयारी की गई है।

अटल जन सेवा शिविरों का आयोजन आज

धौलपुर। आमजन की परिवेदनाओं व समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान हेतु 10 जुलाई गुरुवार को पंचायत समिति स्तर पर प्रातः 10 बजे से सायं 4:30 बजे तक अटल जन सेवा शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

चिकित्सा संस्थानों पर मरीजों को उपलब्ध हो बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं - डॉ. मीणा

सीएमएचओ डॉ. मीणा ने किया चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिले में आमजन को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने तथा विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीणा ने बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आंगई तथा बरौली का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संस्थानों पर महिला पुरुष वार्ड, दवा वितरण केंद्र, प्रसव कक्ष, जांच कक्ष तथा उपलब्ध संसाधनों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने लेबर रूम में सभी आवश्यक उपकरण, स्टाफ एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये गए। साथ ही सभी चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ को यूनिफॉर्म में रहने, चिकित्सा संस्थान में सभी दवाइयों की उपलब्धता, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण सेवायें देने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने लंबित विशेष योग्यजन पहचान पत्र की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही टीबी स्क्रीनिंग की भी समीक्षा की। उन्होंने निरीक्षण के दौरान चिकित्सा संस्थानों में मरीजों को दी जा रही सेवाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौली पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया। साथ ही आंगई में श्री अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर चख कर भोजन की गुणवत्ता की जांच की। निरीक्षण के दौरान कम्युनिटी एम्पावरमेंट लैब के प्रतिनिधि विरल शाह, जिला कार्यक्रम अधिकारी शशांक वशिष्ठ भी साथ रहे।

» धौलपुर..चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करते सीएमएचओ मीणा

मजबूत होगा चिकित्सा संस्थानों का आधारभूत ढांचा

सीएमएचओ डॉ. मीणा ने बताया कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ के निर्देश पर चिकित्सा संस्थानो के आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण तथा आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता के लिए कम्युनिटी एमपावरमेंट लैब के द्वारा सर्वे करवाया जा रहा है सर्वे के बाद रिपोर्ट मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद को सौंपी जाएगी जिसके पश्चात आवश्यकता अनुसार चिकित्सा संस्थानों पर सुदृढ़ीकरण कार्य करवाया जाएगा।

शिक्षकों की ज्वलंत मांगों को लेकर शिक्षक संघ शेखावत ने किया कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन

जिला कलेक्टर के माध्यम से दिया मुख्यमंत्री को ज्ञापन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। अध्यापकों के स्थानांतरण, पदोन्नति, गैर शैक्षिक कार्यों से मुक्ति तथा शिक्षा नीति 2020 आदि मुद्दों को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) के प्रान्तीय आह्वान पर बुधवार को राज्यभर में जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किये गए।

जिला मंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि शिक्षकों की ज्वलंत मांगों को लेकर शिक्षक संघ (शेखावत) का लगातार आन्दोलन जारी है। मई व जून माह में वाहन जत्थों और लोंग मार्च के बाद राजधानी जयपुर में संगठन द्वारा जुझारू प्रदर्शन किया गया था और मांगे माने जाने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया था। लेकिन सरकार ने शिक्षकों की वाजिब मांगों का समाधान नहीं किया है। जिससे शिक्षकों में सरकार के खिलाफ रोष है। इसलिए संगठन के प्रान्तीय आह्वान पर आज बुधवार को शिक्षकों ने जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन कर अतिरिक्त जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को 11 सूत्रीय मांग पत्र दिया। विरोध प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष विशाल गिरी, जिलामंत्री बृजमोहन शर्मा, श्याम वरन खांसी, दिनेश वर्मा, सुभाष चंद्र सहित तमाम शिक्षक शामिल हुए। जिलाध्यक्ष विशाल गिरी और जिला मंत्री बृजमोहन शर्मा ने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते शिक्षकों की मांगों का समाधान नहीं किया तो आन्दोलन को तेज किया जायेगा।

स्कूली बैग के लेनदेन को लेकर झगड़ा, दुकानदार की जमकर मारपीट

शहर के सीताराम बाजार की घटना, शिकायत पर पुलिस कर रही मामले की जांच

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर के व्यस्ततम सीताराम बाजार में बुधवार को एक दुकान पर स्कूली बैग के पैसों को लेकर दुकानदार और महिला ग्राहक के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद चार-पांच लोग दुकान पर पहुंचे और दुकानदार से की मारपीट करते हुए लाठी डंडों से हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए। पीड़ित दुकानदार ने पुलिस को सूचना दी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच मामले की जांच की है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार शहर के सीताराम बाजार में अग्रसेन कॉलोनी निवासी मनीष सिंघल की होजरी एवं रेडीमेड सामान की दुकान है। जिस पर आज दिन में करीब एक बजे एक महिला और उसकी बेटी स्कूली बैग लेने पहुंची। दुकानदार ने ढाई सौ रुपए का बैग उनको दिया और वह लेकर चली गई। कुछ देर बाद दोनों वापस आई और बताया कि यह बैग ढाई सौ की जगह डेढ़ सौ रुपए का अन्य जगह मिल रहा है। इसे वापस कर लो। इस बात को लेकर दुकानदार और महिला के बीच थोड़ी बहस हुई। बाद में दोनों वहां से चली गई। आधे घंटे बाद चार-

» बाड़ी... पीड़ित दुकानदार

पांच लोग दुकान पर आए और आते ही दुकानदार मनीष सिंघल की मारपीट शुरू कर दी। जब उसने विरोध किया तो लाठी डंडों से हमला कर दिया। झगड़े के दौरान दुकानदार को आसपास के लोगो ने आरोपीयो से छुड़ाया। इसके बाद आरोपी धमकी देकर भाग गए। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच मामले की जांच की है। पीड़ित दुकानदार के हाथ और पैर में चोटे आई है। घटना को लेकर कोतवाली थाने में शिकायत दी है पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बाजार की अधिकांश सीसीटीवी कैमरे खराब, नहीं हो सकी वारदात कैद बाजार में नगर पालिका द्वारा जो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। अधिकांश खराब पड़े है। ऐसे में सीताराम बाजार की दुकान की उक्त वारदात कैमरे में कैद नहीं हो सकी है।

सांसद से की तेलंगाना एक्सप्रेस ट्रेन को धौलपुर ठहराव की मांग

धौलपुर। करौली-धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव द्वारा रेलवे स्टेशन निरीक्षण दौरान रेलवे सलाहकार समिति सदस्य विनोद अग्रवाल ने तेलंगाना एक्सप्रेस गाड़ी 12724 की मांग रखी। विनोद अग्रवाल ने बताया कि तेलंगाना एक्सप्रेस ट्रेन हैदराबाद तक जाती है। जिसमें मजदूर वर्ग के लगभग 100 से 150 लोगों को आगरा जाकर ट्रेन पकड़ना पड़ता है। इस ट्रेन के धौलपुर रुकने से निश्चित ही लोगों को लाभ मिलेगा। स्थानीय सांसद ने कहा कि आपकी मांग को हम मंत्री के सामने रखेंगे। जिससे ट्रेन धौलपुर रेलवे स्टेशन पर रूक सके।

रतियापुरा के पास सवारियों से भरा टैम्पों पटला, आधा दर्जन से अधिक घायल

सरमथरा-धौलपुर। करौली जिले के धौलपुर रोड पर स्थित रतियापुरा बस स्टॉपेज के पास टेंपो के सामने बाइक और ट्रक आने पर हादसा हो गया। 108 एंबुलेंस हेल्पलाइन से सूचना जिले की नादनपुर लोकेशन की एम्बुलेंस 108 को मिली, तत्काल ईएमटी डीके कुशवाहा व पायलट पुष्पेंद्र गुर्जर ने साहस पूर्वक गाड़ी को पहुंचाया। जहां सभी घायल को एम्बुलेंस में बैठाकर और तत्काल जिला चिकित्सालय करौली में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार बाड़ी के पास हुसैनपुर गांव हैं। सभी घायल करौली जिले हकीमपुर गांव करीबी रिश्तेदारों के यहां गमी में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जहां टेंपो के सामने बाइक और ट्रक आने से टेंपो पलट गया और टेंपो में सवार सभी व्यक्ति घायल हुए हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार मुन्नी उम्र करीब 65 साल, गंगा देवी उम्र 60 साल, रेनू उम्र 22 साल, श्रीबाई उम्र 60 साल, केतोसिंह उम्र 50 साल, बैकुंठी देवी उम्र 70 साल, बंटू उम्र 26 साल, रीना उम्र 22 साल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिन्हें एम्बुलेंस 108 ईएमटी डीके कुशवाहा और पायलट पुष्पेंद्र गुर्जर द्वारा करौली सामान चिकित्सालय में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज जारी है, सभी बाड़ी के पास हुसैनपुर के कुशवाहा समाज के एक ही परिवार के हैं।

गोवर्धन परिक्रमा एवं गुरु पूर्णिमा मेला विशेष रेलगाड़ी का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गोवर्धन परिक्रमा एवं गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 01972/01971 मथुरा जं.-बामनवास विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 01972 मथुरा जं.-बामनवास			गाड़ी सं. 01971 बामनवास-मथुरा जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	06:30	मथुरा जं.	20:25	--
06:55	06:57	परखम	19:46	19:48
07:08	07:10	छिकसाना	19:30	19:32
07:20	07:22	इकरन	19:18	19:20
07:38	07:40	भरतपुर जं.	19:00	19:05
07:53	07:55	हलैना	18:38	18:40
08:10	08:12	नदबई	18:13	18:15
08:30	08:32	खेड़ली	17:55	17:57
08:43	08:45	घोसराना	17:40	17:42
08:55	08:57	मण्डावर महुवा रोड	17:30	17:32
09:08	09:10	करणपुरा	17:18	17:20
09:20	09:22	सिकराई	17:05	17:07
09:30	09:32	श्री घासी नगर	16:55	16:57
09:48	09:53	बांदीकुई जं.	16:43	16:45
10:17	10:19	दौसा	16:00	16:02
10:37	10:39	बनियाना	15:37	15:39
10:53	10:55	गांगल राजावतान	15:21	15:23
11:10	11:12	अरण्या कलां सलेमपुरा	15:04	15:06
11:20	11:22	डीडवाना	14:52	14:54
11:35	11:37	लालसोट	14:37	14:39
11:46	11:48	बिंदोरी	14:26	14:28
12:02	12:04	मण्डावरी	14:10	14:12
12:22	12:24	पिपलई	13:50	13:52
12:55	--	बामनवास	--	13:40

मथुरा जं. से: गाड़ी संख्या 01972, दिनांक 10.07.2025 एवं 11.07.2025
बामनवास से: गाड़ी संख्या 01971, दिनांक 10.07.2025 एवं 11.07.2025
गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-10

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1204/25(ADM)

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने सीएम व मुख्य सचिव के नाम एडीएम को सौंपा 11 सूत्री मांग पत्र

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राज्य कर्मचारियों के लिए 8वें वेतन आयोग के गठन एवं पीएफआरडीए अधिनियम को निरस्त कर राज्य कर्मचारियों के एनपीएस के जमा 53 हजार करोड़ की जमा राशि को वापस जीपीएफ खातों में जमा करा कर पुरानी पेंशन स्कीम को यथावत रखने की मांग को लेकर अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के राज्य व्यापी आंदोलन के तहत बुधवार को महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में नर्सेज, शिक्षक संघ, कृषि, आयुर्वेद, ग्राम विकास अधिकारी, वन विभाग, कानूनगो, पटवारी, कंप्यूटर अधीनस्थ संवर्ग आदि संघों के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के नाम एडीएम को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा संघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा व जिला महामंत्री रविंद्र सिंह त्यागी ने बताया कि सरकार को भेजे मांग पत्र में राज्य में 8 वें वेतन आयोग का गठन कर, प्रदेश में लागू पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) को निरंतर रखा जावे एवं एनपीएस में काटे गए 53 हजार करोड़ रुपए कर्मचारियों के जीपीएफ खातों में जमा कराये जावे, पदोन्नति के अवसरों की विसंगति दूर की जावे एवं 9,18 एवं 27 वर्ष की सेवा के स्थान पर 8, 16, 24 एवं 32 वर्षीय सेवा पर चयनित वेतनमान प्रदान किया जाए, सात सालों से बंद तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शुरू कर सभी विभागों में राजनीतिक डिजायर सिस्टम समाप्त कर पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू की जाए, ग्रामीण क्षेत्र के कार्यरत कार्मिकों को मूल वेतन का 10 फ़ीसदी ग्रामीण भत्ता दिया जाए, आरजीएचएस स्कीम के अंतर्गत की जा रही कटौती को बंद किया जाए तथा आरजीएचएस योजना में संपूर्ण जांच एवं दवाइयां उपलब्ध करवाई जाए, संविदा एवं आउटसोर्स पर नियुक्तियां बंद की जावे तथा सभी संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए तथा कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 26 हजार किया जाने की मांगे शामिल हैं। संघ के महामंत्री रविंद्र सिंह त्यागी ने बताया कि इससे पूर्व कर्मचारियों की हुई सभा को राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष, हरीसिंह गुर्जर नर्सेज एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष हरीशंकर शर्मा, जिला मंत्री हरेंद्र तोमर, छोटी बाई राजपूत, शेलेम्मा पीजी, कृषि पर्यवेक्षक संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह परमार, जिला मंत्री होरीलाल, आयुर्वेद नर्सेज से श्रीराम गोस्वामी, ग्राम विकास अधिकारी संघ के प्रदेश मंत्री कृष्ण कुमार तोमर, जिलाध्यक्ष श्रीमान सिंह गुर्जर, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के जिला अध्यक्ष विशाल गिरी गोस्वामी, राजस्थान कंप्यूटर अधीनस्थ कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष विकास शर्मा, आदि कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत जपावली पंचायत समिति बाड़ी

क्रमांकः/ ग्रा.पं.ज./2025-26/18 दिनांक :- 07.07.2025

विज्ञप्ति

ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में महानरेगा, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पूर्ण वर्ष में स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु अनुमानित लागत लगभग 50.00 लाख के लिये वस्तु एवं सेवाकर अधिनियम 2017 के आमंत्रण की जानी है। बोली विशिष्टीया एवं शर्तें एवं आदि का विस्तृत विवरण https://sppp.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है। जिनका एनआईबी नम्बरः ZDH2526A0252 यूबीएन नम्बरः ZDH2526GLOB00332 है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत जपावली
पं.समिति बाड़ी

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जपावली
पं.समिति बाड़ी

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरेट पंचायत समिति सरमथुरा

क्रमांकः/ ग्रा.प./2025-26/10 दिनांक :- 09.07.2025

Notice Inviting Bid

Bids for “Furniture Supply in GP PIPRET ” are invited from interested Bidders upto 16/07/2025 on 06:00 PM, other Particulars of the Bid may be Visited on the proucurement portal (http//sppp.raj.nic.nic, proc.rajasthan.gov.in) of the State.

NIB No. ZDH2526AO253 UBN No.ZDH2526GSRC00333

प्रशासक
ग्राम पंचायत पिपरेट
पं.समिति सरमथुरा

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पिपरेट
पं.समिति सरमथुरा

गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः

आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि पर अपने गुरु परंपरा को सम्मान देते हुए वृन्दावन में गुरु पूर्णिमा अन्नदान सेवा में भाग लें। इस दिन अन्नदान करने से जन्म-जन्मांतर के कर्म नष्ट होते हैं, पितृ शांति मिलती है और गुरु तत्व का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

:- गुरु पूर्णिमा अन्नदान के लाभ -:

गुरु मंडल और बृहस्पति देव का आशीर्वाद प्राप्त
गुरु दोष और आध्यात्मिक बाधाओं का निवारण
पितृ शांति व पितृ ऋण से मुक्ति
शिक्षा, संतान, करियर जैसे सत्कामनाओं की पूर्ति
वृन्दावन जैसे तीर्थ में पुण्य कई गुना बढ़ता है
संतान, बुद्धि और लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त

संपर्क सूत्र--9958035108
आज ही अन्नदान सेवा बुक करें और अनंत पुण्य पाएं!

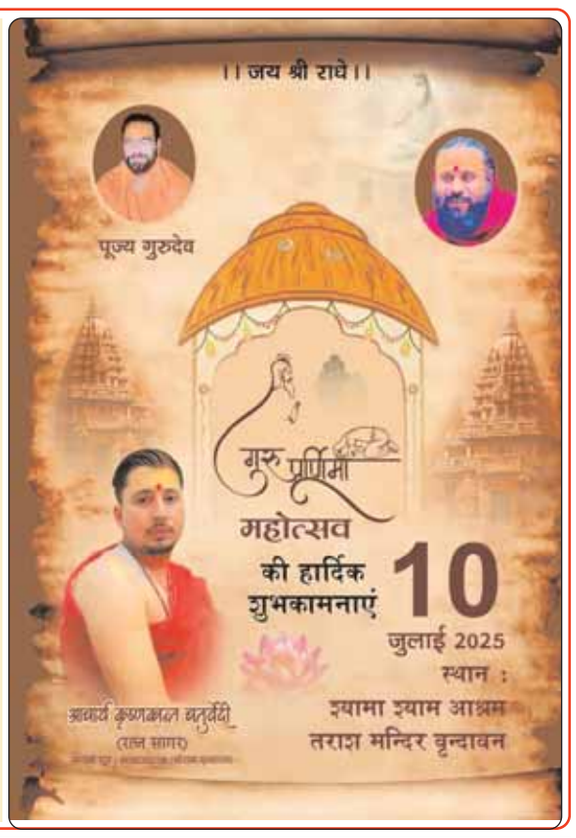

संपादकीय

ब्रिक्स ने अमेरिका की नीतियों को दी खुली चुनौती, टैरिफ विवाद से बढ़ा तनाव

अमेरिका का मानना है कि अगर ब्रिक्स देश भविष्य में किसी साझा मुद्रा में आपसी लेनदेन करने लगे तो इससे डालर का वर्चस्व खतरे में पड़ सकता है। अमेरिका की ओर से विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने के फैसले का शुरू से ही विरोध होता रहा है। अब ब्राजील में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में भी इसकी कड़ी आलोचना के बाद अमेरिका की भौहें तन गईं और उसने इसे ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीति करार दिया। साथ ही चेतावनी दी कि जो देश अमेरिका के खिलाफ इस तरह की नीतियों का समर्थन करेगा, उसे दस फीसद अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ेगा। इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि क्या अमेरिका वास्तव में ब्रिक्स देशों से खुद को असहज महसूस करता है! क्या आने वाले दिनों में अमेरिका और ब्रिक्स देशों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है? हालांकि, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने साफ किया है कि ब्रिक्स किसी टकराव के लिए नहीं है और न ही इसका मकसद किसी देश की मुखालफत करना है, बल्कि यह उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक महत्त्वपूर्ण मंच है। दरअसल, अमेरिका ने इस साल अप्रैल में चीन और भारत समेत विभिन्न देशों पर शुल्क का एलान किया था। हालांकि बाद में इसे यह कहकर नब्बे दिन के लिए टाल दिया गया कि कुछ देश इस मामले में परस्पर सहमति पर विचार करने के इच्छुक हैं। शुल्क निलंबन की इस अवधि को अब कुछ दिन और बढ़ा दिया गया है। जिन देशों पर यह शुल्क प्रस्तावित है, वे शुरू से इसका विरोध कर रहे हैं। चीन ने तो अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का भी एलान कर दिया था। इसी कड़ी में अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अमेरिकी शुल्क का विरोध किया गया। यह निश्चित रूप से एकजुट होकर अमेरिका पर शुल्क का फैसला वापस लेने का दबाव बनाने की रणनीति हो सकती है। हालांकि इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की गैरमौजूदगी ब्रिक्स की एकजुटता पर ही सवाल खड़े करती है, क्योंकि कूटनीतिक वक्तव्यों के साथ-साथ धरातल पर एकजुटता दिखनी भी चाहिए, ताकि वैश्विक स्तर पर संयुक्त प्रयासों के महत्त्व को समझा जा सके। ब्रिक्स की स्थापना ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा की गई थी। लेकिन इस समूह का पिछले वर्ष विस्तार हुआ और इसमें इंडोनेशिया, ईरान, मिस्र, इथियोपिया व संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया। नए सदस्य देशों के अलावा, इस समूह में दस रणनीतिक साझेदार देश भी शामिल हैं। असल में ब्रिक्स देशों की वैश्विक जीडीपी में हिस्सेदारी 28-30 फीसद है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के इस समूह को पश्चिमी देशों के लिए संभावित चुनौती के रूप में देखा जाने लगा है। ब्रिक्स डालर पर निर्भरता कम करने के लिए अपनी एक स्वतंत्र एवं साझा मुद्रा प्रणाली की योजना पर विचार कर रहा है। ब्रिक्स को लेकर अमेरिका के पूर्वाग्रह का यह भी एक बड़ा कारण हो सकता है। अमेरिका का मानना है कि अगर ब्रिक्स देश भविष्य में किसी साझा मुद्रा में आपसी लेनदेन करने लगे तो इससे डालर का वर्चस्व खतरे में पड़ सकता है। जाहिर है, अमेरिका ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए हर तरह की रणनीति अपनाएगा, जिससे उसके वैश्विक हित और वर्चस्व को चुनौती की संभावना होगी। बहरहाल, ब्रिक्स देशों की इस राय के अपने आधार हैं कि अमेरिकी शुल्क विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप नहीं है। ऐसे प्रतिबंधों से वैश्विक व्यापार में कमी आने, आपूर्ति शृंखलाओं के बाधित होने और बाजार में अनिश्चितता पैदा होने का खतरा है।

मत रोकिए आंसू, हृदय का पवित्र जल तथा प्रेम और पीड़ा की अनकही भाषा है ये, समझना होगा इसका मोल

आंसू, वह अनमोल बिंदु, जो हृदय की गहराइयों से उमड़ता है, मानव जीवन की सबसे कोमल और सत्य भावनाओं का प्रतीक है। यह वह जल है, जो न बादलों की उमड़-घुमड़ से जन्म लेता है, न नदियों के प्रवाह से। यह आत्मा के उस गुप्त स्रोत से प्रस्फुरित होता है, जहां प्रेम, करुणा, दुख और आनंद एक-दूसरे में समाहित होकर एक पवित्र रस बनाते हैं। आंसू वह निर्मल जल है, जो हृदय को धोता है, उसे शुद्ध करता है, और उसे उस अनंत सत्य के समीप ले जाता है, जहां मानव और परम का मिलन होता है। मगर आज के युग में, जब सच्चाई को कृत्रिमता ढक लेती है, हमें आंसुओं का मोल समझना होगा।

आंसू वह विश्वजनीन भाषा हैं, जो हर संस्कृति, हर धर्म, हर देश में समझी जाती है। यह वह जल है, जो मानवता को एक सूत्र में पिरोता है। चाहे वह युद्ध में खोए प्रिय की स्मृति में बहने वाले आंसू हों, या किसी अनजान की पीड़ा को देखकर उमड़ने वाले आंसू, ये सभी मानवता के साझा दुख और प्रेम को व्यक्त करते हैं। पढ़िए राजेंद्र मोहन शर्मा के विचार। आंसू, वह अनमोल बिंदु, जो हृदय की गहराइयों से उमड़ता है, मानव जीवन की सबसे कोमल और सत्य भावनाओं का प्रतीक है। यह वह जल है, जो न बादलों की उमड़-घुमड़ से जन्म लेता है, न नदियों के प्रवाह से। यह आत्मा के उस गुप्त स्रोत से प्रस्फुरित होता है, जहां प्रेम, करुणा, दुख और आनंद एक-दूसरे में समाहित होकर एक पवित्र रस बनाते हैं। आंसू वह निर्मल जल है, जो हृदय को धोता है, उसे शुद्ध करता है, और उसे उस अनंत सत्य के समीप ले जाता है, जहां मानव और परम का मिलन होता है। मगर आज के युग में, जब सच्चाई को कृत्रिमता ढक लेती है, हमें आंसुओं का मोल समझना होगा। हमें दूसरों की पीड़ा में बहने वाले आंसुओं को देखने के साथ-साथ अपने हृदय के आंसुओं से साक्षात्कार करना होगा, क्योंकि यह आत्म-चिंतन ही हमें हमारी मानवता की गहराई तक ले जाता है। जब कोई प्रेमी अपने प्रिय के बिछोह में भीगता है, जब माता अपने संतान के कष्ट में डूब जाती है, जब साधक ईश्वर के चरणों में अपनी आत्मा को समर्पित करता है, तब आंसू केवल जल नहीं रहते, वे आत्मा की वह प्रार्थना बन जाते हैं, जो अनकही भावनाओं को व्यक्त करती है। आंसू आत्म-चिंतन का दर्पण हैं। वे हमें अपने भीतर झांकने के लिए प्रेरित करते हैं, हमें हमारी कमजोरियों, संवेदनाओं और सत्य से जोड़ते हैं। अपने आंसुओं से साक्षात्कार करना आत्म-चिंतन का ही चरण है, जो हमें यह समझने में मदद करता है कि हम कौन हैं, हमारी भावनाएं कहां से जन्म लेती हैं, और हमारा हृदय किस सत्य की तलाश में है। दुख वह अग्नि है, जो हृदय को तपाती है, और आंसू वह मेघ हैं, जो उस ताप को शीतलता प्रदान करते हैं। मगर आंसू केवल दुख के गीत नहीं गाते। वे प्रेम, करुणा और आनंद के भी वाहक हैं। जब हम अपने दुख के आंसुओं से साक्षात्कार करते हैं, तब हम न केवल अपनी पीड़ा को समझते हैं, बल्कि उस पीड़ा के पीछे छिपे सत्य को भी खोजते हैं। यह आत्म-चिंतन हमें यह प्रश्न करने के लिए प्रेरित करता है कि यह दुख कहां से आया? यह मुझे क्या सिखाने आया है? यह मुझे मेरे सत्य के कितना निकट ले गया? प्रेम वह अग्नि है, जो हृदय को पिघलाती है और आंसू वह अमृत हैं, जो उस पिघले हृदय से टपकते हैं। प्रेम में बहने वाले आंसू हृदय की वह पवित्र भेंट हैं, जो प्रेमी को अपने प्रिय के और निकट ले जाती है, वह माता का अपने संतान के लिए अथाह स्नेह है और प्रेमी का अपने प्रिय के लिए तड़पन है। आंसू प्रेम की उस गहराई को उजागर करते हैं, जो शब्दों से परे है। जब हम अपने प्रेम के आंसुओं से साक्षात्कार करते हैं, तब हम यह समझने की कोशिश करते हैं कि यह प्रेम हमें क्या सिखाता है। क्या यह प्रेम हमें स्वार्थ से मुक्त करता है, या हमें और बांधता है? क्या यह प्रेम हमें सत्य के निकट ले जाता है, या हमें भ्रम में उलझाता है? आत्म-चिंतन का यह गहरा संवाद हमें प्रेम की वास्तविकता को समझने की शक्ति देता है, और हमें उस पवित्र प्रेम की ओर ले जाता है, जो न केवल व्यक्तिगत, बल्कि विश्वजनीन भी है। आंसू वह सेतु हैं, जो मानव को मानवता से जोड़ते हैं। जब हम किसी के दुख को देखकर आंसू बहाते हैं, तो वह करुणा का प्रतीक है। करुणा वह गुण है, जो हमें दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझने की शक्ति देता है। आंसू इस करुणा को व्यक्त करने का सबसे शुद्ध माध्यम हैं। आत्म-चिंतन हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारी करुणा कितनी गहरी है, और क्या वह केवल बाहरी प्रदर्शन है, या हृदय की गहराई से निकलती है। आंसू वह विश्वजनीन भाषा हैं, जो हर संस्कृति, हर धर्म, हर देश में समझी जाती है। यह वह जल है, जो मानवता को एक सूत्र में पिरोता है। चाहे वह युद्ध में खोए प्रिय की स्मृति में बहने वाले आंसू हों, या किसी अनजान की पीड़ा को देखकर उमड़ने वाले आंसू, ये सभी मानवता के साझा दुख और प्रेम को व्यक्त करते हैं। मगर अपने आंसुओं से दूरी हमें इस विश्वजनीन भाषा को समझने से रोकती है। आत्म-चिंतन के माध्यम से अपने आंसुओं से मिलन हमें इस पवित्र जल की गहराई तक ले जाता है, हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारी संवेदनाएं हमें विश्व के और निकट कैसे लाती हैं। आज के युग में, जब कृत्रिमता सच्चाई पर हावी हो जाती है, हमें आंसुओं का मोल समझना होगा। हमें उन आंसुओं से बचना होगा, जो केवल बाहरी प्रदर्शन के लिए बहाए जाते हैं। अपने आंसुओं से साक्षात्कार करना आत्म-चिंतन का वह मार्ग है, जो हमें हमारी संवेदनशीलता के और निकट ले जाता है। यह आत्म-चिंतन हमें यह प्रश्न करने के लिए प्रेरित करता है- मेरे आंसू कहां से आते हैं? वे मेरे हृदय के किस सत्य को उजागर करते हैं? क्या वे मुझे मेरे सत्य के और निकट ले जाते हैं? यह गहरा संवाद हमें हमारी मानवता की गहराई तक ले जाता है, जहां हम न केवल अपनी भावनाओं को समझते हैं, बल्कि विश्व के साथ एक गहरे संबंध को अनुभव करते हैं। आंसू वह पवित्र जल हैं, जो मानव जीवन की हर भावना को अपने में समेट लेते हैं। वे दुख को शांत करते हैं, प्रेम को गहराई देते हैं और करुणा को जन्म देते हैं। आंसू वह अनमोल रत्न हैं, जो हमें हमारी संवेदनशीलता से जोड़ते हैं। आत्म-चिंतन के माध्यम से अपने आंसुओं से साक्षात्कार करना हमें न केवल अपने सत्य से जोड़ता है, बल्कि हमें उस विश्वजनीन सत्य तक ले जाता है, जहां मानवता का मोल सर्वोपरि है। इसलिए जब अगली बार आंसू उमड़ें, उन्हें रोकें नहीं, उन्हें बहने दें, क्योंकि वे हृदय का सबसे पवित्र जल है।

अब और बढ़ी वायु सैन्य शक्ति की महत्ता, अंतरिक्ष मोर्चे पर भी भारत की जीत

अंतरिक्ष मोर्चे पर भारत को सैटेलाइट निगरानी नाविक संचार अर्ली-वार्निंग और एंटी-सैटेलाइट क्षमताएं विकसित करनी होंगी। वायु रक्षा प्रणालियों का एकीकरण और विभिन्न सैन्य बलों में उनके उपयोग को सुगम एवं लचीला बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्वदेशी शोध एवं विकास में निरंतर निवेश बढ़ाना होगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी भी मजबूत बनाई जाए। खरीद प्रक्रिया को गति देनी होगी। आपरेशन सिंदूर ने भारत की उन क्षमताओं को साबित किया कि पाकिस्तान की धरती पर कदम रखे बिना भी उसके भीतरी इलाकों में स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया जा सकता है। अमेरिका और इजरायल ने भी ईरान के प्रमुख सैन्य ठिकानों पर हवाई हमलों के जरिये ऐसी ही क्षमताएं दिखाईं। तुर्किये से लेकर रूस जैसे देश अपनी वायु सैन्य शक्ति विशेषकर ड्रोन जैसी तकनीक पर भरोसा करते हैं। वायु और अंतरिक्ष में किसी देश की क्षमताएं ही उसकी सामरिक शक्ति को निर्धारित कर रही हैं, क्योंकि इसके जरिये सुदूरवर्ती जगह से भी पूरी सटीकता एवं तत्परता से हमला कर दुश्मन को क्षति पहुंचाई जा सकती है। अतीत में युद्ध संसाधनों की दृष्टि से जमीन कब्जाने के लिए लड़े जाते थे, जिसमें जमीन पर सक्रिय सैन्य बलों के लिए वायु शक्ति सहायक की भूमिका निभाती थी। हालांकि जमीन कब्जाने के साथ और जटिलताएं जुड़ी होती हैं, जैसे उस पर काबिज होने के बाद वहां गवर्नेंस भी कई बार बोझ बन जाती है। स्थानीय लोगों के प्रतिरोध का भी सामना करना पड़ता है जो अक्सर गुरिल्ला युद्ध का रूप ले लेता है। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा हुआ है। अपने उपनिवेशों से ब्रिटेन का निकलना, वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान से अमेरिका का पलायन और अफगानिस्तान से सोवियत संघ का पीछे हटना यही साबित करता है कि क्षेत्रीय कब्जे में गवर्नेंस का अंतर्निहित बोझ छिपा होता है। यही कारण है कि आधुनिक समर नीति में युद्धों का स्वरूप बदल गया है। इसमें परंपरा से इतर अपने उद्देश्यों की पूर्ति एवं वर्चस्व पर ध्यान केंद्रित होता है। समय के साथ वायु सैन्य शक्ति को लेकर राजनीतिक दृष्टिकोण बदला है। एक समय इसे उकसाने वाला कदम समझा जाता है, लेकिन अब इसे सटीक प्रहार वाली नियंत्रित कार्रवाई के रूप में मान्यता मिल रही है। भारत के बालाकोट और आपरेशन सिंदूर जैसे अभियान से लेकर ईरान पर अमेरिका-इजरायल की बमबारी यही साबित करती है कि वायु सैन्य शक्ति टकराव को व्यापक रूप से बढ़ाए बिना ही दुश्मन को घर में घुसकर दंडित करने में उपयोगी साबित होती है। चूंकि ऐसे हमले मुख्य रूप से खुफिया जानकारी पर आधारित चिह्नित आतंकी या सैन्य इलाकों को निशाना बनाकर किए जाते हैं तो इसमें आम जन हानि की आशंका भी घट जाती है। युद्ध का बुनियादी सिद्धांत ही यही है कि दुश्मन आपके हमले से चौंक जाए। वायु सैन्य शक्ति चौंकाने वाले इस पहलू को सुनिश्चित करती है। यह जितनी गति, तत्परता और सटीकता से लक्ष्य को साधती है, उसकी किसी अन्य पारंपरिक सैन्य शक्ति से तुलना संभव नहीं। इसके जरिये दुश्मन के कमांड सेंटर, आपूर्ति शृंखला और बुनियादी ढांचे को चोट पहुंचाकर उसकी कमर तोड़ना संभव है। वायु सैन्य शक्ति भी समय के साथ बहुत उन्नत होती गई है। पूर्व में मिग-21 जैसे विमान बेस से केवल कुछ सैकड़ों किमी दूर तक ही संचालित हो सकते थे। आज लंबी दूरी तक मारक क्षमता वाले बमवर्षक, ड्रोन, क्रूज मिसाइलों के साथ ही हवा में ही ईंधन भरने की सुविधा ने हजारों किमी दूर सुदूरवर्ती इलाकों तक मार करने की क्षमता दिलाई है और वह भी दुश्मन के वायु क्षेत्र में प्रवेश किए बिना। मिसाइलें तो 1,000 किमी से भी दूर तक निशाना लगा सकती हैं। हाइपरसोनिक मिसाइलें तो कम समय में ही काम निपटा सकती हैं। बी-52 और राफेल जैसे विमान हवा में ही ईंधन भरकर घंटों तक उड़ते हुए महाद्वीपों की सीमा को पार कर सकते हैं। एमक्यू-9 रीपर जैसे ड्रोन दिन भर से अधिक तक अपने लक्ष्य के ऊपर मंडरा सकते हैं। निस्संदेह भारत ने अपनी वायु सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी की है और यह क्रम निरंतर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन हमें चीन को लेकर अपनी सतर्कता भी बढ़ानी होगी, जिसने अपनी सामरिक शक्ति को बड़े पैमाने पर बढ़ाया है। चीनी वायु सेना के पास 200 से अधिक जे-20 स्टील्थ फाइटर्स हैं और पिछले 15 वर्षों में उसने आधुनिक लड़ाकू विमानों के अपने बेड़े को तीन गुना तक बढ़ाया है। एच-6के बमवर्षक के साथ लंबी दूरी की उसकी मारक क्षमताएं बढ़ी हैं तो वाई-20 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिये सैनिकों और रसद सामग्री को तेजी से कहीं भी पहुंचाने की उसकी क्षमता में इजाफा हुआ है। चीन ने लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली पीएल-15 जैसी मिसाइल विकसित की है और उसके उन्नत संस्करणों को तैयार करने में भी लगा हुआ है। हाइपरसोनिक मिसाइलों पर भी वह भारी दांव लगा रहा है। चीन के मिसाइल लांचर भी 2000 के बाद दोगुने से अधिक हो गए हैं। उसका बायडू सैटेलाइट सिस्टम सामरिक मोर्चे को लक्षित करने और नेविगेशन से लेकर संचार सुविधाओं में सहयोग करता है। पाकिस्तान के साथ चीन की नजदीकियों को देखते हुए भारत की चुनौतियां और बढ़ जाती हैं। इसलिए भारत को न केवल अपनी मौजूदा रक्षा प्रणालियों, बल्कि आधुनिक क्षमताओं के विकास को लेकर भी तत्परता का परिचय देना होगा। इसमें एएमसीए, एलसीए, एमके-टू, लंबी दूरी तक सटीक निशाना लगाने वाली मिसाइलें, हाइपरसोनिक हथियार, एमएएलई और एचएएलई ड्रोन और हवा में ईंधन भरने की अत्याधुनिक तकनीकों को प्राथमिकता में रखना होगा। एडवांस रडार और सेंसर सुइट्स, इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम्स के साथ ही पूर्णतया सुरक्षित एवं एआइ-संचालित कमांड एवं कंट्रोल नेटवर्क विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष मोर्चे पर भारत को सैटेलाइट निगरानी, नाविक, संचार, अर्ली-वार्निंग और एंटी-सैटेलाइट क्षमताएं विकसित करनी होंगी। वायु रक्षा प्रणालियों का एकीकरण और विभिन्न सैन्य बलों में उनके उपयोग को सुगम एवं लचीला बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी भी मजबूत बनाई जाए। खरीद प्रक्रिया को गति देनी होगी। वायु और अंतरिक्ष क्षमताएं ही अब संहारक एवं निवारक क्षमताओं को निर्धारित कर रही हैं तो भारत प्राथमिकता के आधार पर अपने औद्योगिक आधार को सक्रिय एवं सशक्त करते हुए ऐसी क्षमताओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करे।

सबसे दहलाने वाली खबर पूर्णिया जिले के टेटमा गांव से आई, जहां 'जादू-टोना' के संदेह में एक ही परिवार के पांच लोगों को क्रूरता से मारा-पीटा गया और फिर जिंदा जला दिया गया। इस घटना की जड़ें अंधविश्वास और अराजकता से जुड़ी हुई हैं, जिसमें कहीं से ऐसा नहीं लगता कि वहां सरकारी तंत्र की मौजूदगी रही हो या फिर वहां लोगों के भीतर पुलिस या कानून का कोई भय हो।

बिहार में कानून का डर खत्म, डायन के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाया

एक ओर, विज्ञान की उपलब्धियों के रोज नई ऊंचाइयों को छूने का जश्न मनाया जाता है, वहीं वैज्ञानिक चेतना से दूर बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास में आकर किसी की हत्या करने से भी नहीं हिचकते।

बिहार में पिछले कुछ दिनों के भीतर आपराधिक घटनाओं में जैसी तेजी आई है, उससे यही लगता है कि सरकार के हाथ से सब कुछ छूट गया है और अपराध को अंजाम देने वाले बेलगाम हैं। पिछले हफ्ते पटना में एक व्यवसायी और सीवान में तीन लोगों की हत्या की घटना से उपजा तूफान अभी शांत भी नहीं हुआ था कि सोमवार को राज्य में चौबीस घंटे में नौ लोगों की हत्या कर देने की घटनाएं सामने आईं। सबसे दहलाने वाली खबर पूर्णिया जिले के टेटमा गांव से आई, जहां 'जादू-टोना' के संदेह में एक ही परिवार के पांच लोगों को क्रूरता से मारा-पीटा गया और फिर जिंदा जला दिया गया। इस घटना की जड़ें अंधविश्वास और अराजकता से जुड़ी हुई हैं, जिसमें कहीं से ऐसा नहीं लगता कि वहां सरकारी तंत्र की मौजूदगी रही हो या फिर वहां लोगों के भीतर पुलिस या कानून का कोई भय हो। गौरतलब है कि एक बच्चे की बीमारी नहीं ठीक हो पाने के बाद कुछ लोगों ने 'डायन' बता कर एक ही परिवार के पांच लोगों की जान ले ली। इस घटना के दौरान वहां दो सौ से ज्यादा लोगों की भीड़ मौजूद थी और अराजकता चरम पर थी। निश्चित तौर पर यह कानून-व्यवस्था की नाकामी है, लेकिन हकीकत यह भी है कि बहुत सारे लोगों को अंधविश्वास के अंधेरे में जीने-मरने के लिए छोड़ दिया गया है! एक ओर, विज्ञान की उपलब्धियों के रोज नई ऊंचाइयों को छूने का जश्न मनाया जाता है, वहीं वैज्ञानिक चेतना से दूर बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास में आकर किसी की हत्या करने से भी नहीं हिचकते। जबकि यह उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा कर सकता है और कई लोगों की जिंदगी जेल में कट सकती है। 'डायन' जैसे अंधविश्वास की वजह से आए दिन वंचित तबकों की महिलाओं की हत्या कर दिए जाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यह अफसोसनाक है कि ऐसे मौकों पर सरकार कानूनी कार्रवाई की औपचारिकता तो पूरी करती दिखती है, लेकिन इस समस्या की जड़ों पर चोट करने के लिए बहुत सक्रिय नहीं होती। जब तक समाज में अंधविश्वास पर आधारित धारणाओं को दूर करने के लिए ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम नहीं किया जाता, तब तक लोगों को इसके मकड़जाल से निकालना मुश्किल होगा।

बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की आवश्यक पहल के खिलाफ भ्रामक और गुमराह करने वाले वीडियो एवं पोस्ट पर चुनाव आयोग की सख्ती आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी है। यह ठीक है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी फर्जी पोस्ट एवं वीडियो को खोज-खोज कर उन्हें गलत बता रहा है और इसी के साथ सच्चाई भी बयान कर रहा है, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग को ऐसे भ्रामक वीडियो एवं पोस्ट करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए।

चुनाव आयोग की सख्ती, भ्रामक और गुमराह करने वाले पोस्ट पर एक्शन जरूरी

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है लेकिन क्या महुआ मोइत्रा बिहार की सांसद हैं? क्या उन्हें यह लगता है कि बिहार की तरह बंगाल में भी मतदाता सूची का सत्यापन हो सकता है। जो भी हो ऐसा सत्यापन पूरे देश में होना चाहिए क्योंकि सही मतदाता सूची से ही लोकतंत्र सशक्त बनेगा। बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की आवश्यक पहल के खिलाफ भ्रामक और गुमराह करने वाले वीडियो एवं पोस्ट पर चुनाव आयोग की सख्ती आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी है। यह ठीक है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी फर्जी पोस्ट एवं वीडियो को खोज-खोज कर उन्हें गलत बता रहा है और इसी के साथ सच्चाई भी बयान कर रहा है, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग को ऐसे भ्रामक वीडियो एवं पोस्ट करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए। यह और कुछ नहीं सीधा-सीधा फेक न्यूज का मामला है। यदि इस तरह की फेक न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो शरारती तत्वों का दुस्साहस और अधिक ही बढ़ेगा। ऐसे तत्व चुनाव आयोग के साथ-साथ भारतीय लोकतंत्र की छवि खराब करने का ही काम करेंगे। अतीत

में करते भी रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि वे किस तरह ईवीएम के खिलाफ गुमराह करने वाले वीडियो साझा कर चुके हैं। समस्या यह है कि चुनाव आयोग के पास पर्याप्त अधिकार नहीं। वह खुद को और चुनाव प्रक्रिया को बदनाम एवं देश की जनता को गुमराह करने वाले लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। यह सहज ही समझा जा सकता है कि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया के खिलाफ कौन लोग भ्रामक पोस्ट एवं वीडियो साझा करने में लगे हुए हैं। यह तय माना जाना चाहिए कि इनमें से कई विपक्षी दलों के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक होंगे। आखिर यह एक तथ्य है कि कांग्रेस, राजद समेत कई विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन का बेतुका विरोध किया है। समझना कठिन है कि आखिर निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव के लिए यह क्यों नहीं पता लगाया जाना चाहिए कि वास्तविक मतदाता कौन हैं। यह काम तो पूरे देश में होना चाहिए। पहले होता भी रहा है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गए हैं। इनमें वकील एवं नेता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी भी हैं। कपिल सिब्बल सदैव ऐसा करने में आगे रहते हैं। बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा भी आगे आई हैं। सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है, लेकिन क्या महुआ मोइत्रा बिहार की सांसद हैं? क्या उन्हें यह लगता है कि बिहार की तरह बंगाल में भी मतदाता सूची का सत्यापन हो सकता है। जो भी हो, ऐसा सत्यापन पूरे देश में होना चाहिए, क्योंकि सही मतदाता सूची से ही लोकतंत्र सशक्त बनेगा। उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ दायर की गई याचिकाओं के पीछे के असल इरादों को भांपे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहली बार गिल टॉप-6 बैटर, बुमराह 32 हफ्तों से टॉप बॉलर

174 हफ्तों से जडेजा नंबर-1 ऑलराउंडर

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल पहली बार टेस्ट की बैटर्स रैंकिंग में टॉप सिक्स में पहुंचे हैं। बुधवार को जारी ढ्ढष्टष्ट रैंकिंग में उन्होंने 15 स्थान की छलांग लगाई।

यह टेस्ट में गिल की अब तक की बेस्ट रैंकिंग है। एजबेस्टन टेस्ट में गिल ने 269 और 161 रनों की पारी खेली थी। उन्हें इसी का फायदा मिला।

बल्लेबाजों की टॉप टेन रैंकिंग में तीन भारतीय हैं। यशस्वी जायसवाल चौथे और ऋषभ पंत सातवें स्थान पर हैं।बॉलिंग रैंकिंग में पेसर जसप्रीत बुमराह 32 हफ्ते से टॉप पर बरकरार हैं। ऑलराउंडर की लिस्ट में रवींद्र जडेजा लगातार 174 हफ्तों से नंबर-1 बने हुए हैं।

टॉप-10 में इंग्लैंड के ब्रूक नंबर-1 और रूट नंबर-2 पर हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे, भारत के

यशस्वी जायसवाल चौथे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं।

एजबेस्टन टेस्ट में भारत के खिलाफ 184* और 88 रनों की पारी खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ को भी 16 पायदान का फायदा हुआ है और अब वह 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ 367* रनों की पारी खेलने वाले साउथ अफ्रीका के वियान मुल्डर 34 नंबर के फायदे के साथ 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बॉलर्स रैंकिंग में बुमराह अकेले इंडियन बॉलिंग रैंकिंग में पेसर जसप्रीत बुमराह टॉप पर बरकरार हैं। वे इस पोजिशन पर लगातार 32 हफ्तों से बने हुए हैं।

एजबेस्टन में पहली पारी में सात विकेट लेने वाले मोहम्मद सिराज छह पायदान के फायदे के साथ 22वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश दौरा टला, श्रीलंका-भारत आपस में भिड़ सकते हैं, दोनों बोर्डों के बीच बातचीत जारी

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका की टीमें अगले महीने 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेल सकती हैं। यह सीरीज हालांकि आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम का हिस्सा नहीं है, लेकिन दोनों टीमों के पास इस समय एक खाली विंडो है।

भारत को अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करना था, जहां 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाने थे। लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति के कारण यह दौरा अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दिया गया है। दूसरी ओर, श्रीलंका प्रीमियर लीग, जो जुलाई-अगस्त में होने वाली थी, उसे भी स्थगित कर दिया गया है। इससे श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के पास भी खाली समय बच गया है।

बीसीसीआई - एसएलसी आपस में बातचीत कर रहे श्रीलंका की स्थानीय मीडिया न्यूजवायर के मुताबिक, इस समय बीसीसीआई और एसएलसी के बीच बातचीत चल रही है। दोनों बोर्ड 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज के लिए तारीखें तय करने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश की मेजबानी कर रहा है श्रीलंका इस समय श्रीलंका अपनी घरेलू जमीन पर बांग्लादेश की मेजबानी कर रहा है। श्रीलंका ने तीन वनडे मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। अब दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज 10 जुलाई से शुरू होगी और 16 जुलाई को खत्म होगी।

इसके बाद श्रीलंका के पास अगस्त के आखिरी हफ्ते तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं है। इसके बाद टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी, जहां दो वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाने हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को खत्म होगी। इसके बाद टीम इंडिया का अगला बड़ा टूर्नामेंट एशिया कप है, लेकिन उससे पहले कोई सीरीज तय नहीं है। अगर भारत और श्रीलंका के बीच बातचीत सफल रहती है, तो भारतीय टीम अगस्त में श्रीलंका का दौरा कर सकती है।

दो दिन पहले दाढ़ी में कलर किया, हर चार दिन में यह करना पड़े तो समझो रिटायरमेंट का समय आ गया - कोहली

नई दिल्ली। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर पहली बार बोले हैं। उन्होंने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें यह फैसला लेना पड़ा। विराट 36 साल के हो चुके हैं। उन्होंने 12 मई 2025 को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

लंदन में पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की ओर से अपने यूवीकैन फाउंडेशन के लिए डिनर पार्टी का आयोजन किया गया था। इस पार्टी में कोहली समेत दुनियाभर के क्रिकेट और अन्य फील्ड से जुड़े लोग पहुंचे थे। टीवी प्रजेंटर गौरव कपूर के यह कहने पर कि लोग उन्हें मैदान पर मिस करते हैं तो विराट ने मुस्कराते हुए कहा, मैंने दो दिन पहले अपनी दाढ़ी में कलर किया था। जब

आपको हर चार दिन में दाढ़ी रंगनी पड़े तो समझ आ जाता है कि अब समय (रिटायरमेंट) आ गया है।

कोहली ने इंडिया के लिए 123 टेस्ट खेले हैं

कोहली का टेस्ट करियर शानदार रहा है, जिसमें उन्होंने 123 टेस्ट (210 पारी) में 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक लगाए। उन्होंने 68 टेस्ट में कप्तानी की और 40 में जीत हासिल की। उनकी जीत का प्रतिशत 58.82 है, जो 50 या ज्यादा टेस्ट में कप्तानी करने वालों में तीसरा सबसे बेहतर है।

टेस्ट में धोनी-रोहित से आगे हैं विराट, सभी घरेलू सीरीज जीतीं विराट कोहली ने बतौर कप्तान कोई भी आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में बतौर कैप्टन वे महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा दोनों से आगे हैं। कोहली ने घर में सभी 11 सीरीज जीतीं। धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में टीम इंडिया को घरेलू पिचों में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी शामिल है।

चेल्सी फीफा क्लब वर्ल्ड कप के फाइनल मेंफ्लुमिनेंस को 2-0 से हराया

नई दिल्ली। चेल्सी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्लुमिनेंस को हराकर फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को सेमीफाइनल मुकाबले में चेल्सी की टीम शुरुआत से ही आत्मविश्वास से भरी नजर आई और 2-0 से जीत दर्ज की।

दोनों गोल जोआओ पेड्रो ने किए। उन्होंने चेल्सी के लिए अपने पहले मैच में अपनी बचपन की टीम के खिलाफ 18वें और 56वें मिनट में दो गोल किए। पेड्रो जब 10 साल के थे तब फ्लुमिनेंस से जुड़ गए थे और 2020 में वाटफोर्ड जाने तक वह इस क्लब की तरफ से खेलते रहे।

चेल्सी की निगाहें दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने पर दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 10 जुलाई को क्स्त्त और रियल मैड्रिड के बीच खेला जाएगा। वहीं फाइनल 13 जुलाई को होगा। चेल्सी की निगाहें अब दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने पर लगी होंगी। उसने इससे पहले 2021 में खिताब जीता था।

स्नढ्ढस्न क्लब वर्ल्ड कप की शुरुआत 2000 में हुई स्नढ्ढस्न क्लब वर्ल्ड कप एक इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट है, जिसे स्नढ्ढस्न आयोजित करता है। इसमें दुनियाभर की बड़ी क्लब फुटबॉल टीमें हिस्सा लेती हैं।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को तीसरा वनडे 99 रन से हराया

नई दिल्ली। श्रीलंका ने बांग्लादेश को तीसरा वनडे 99 रन से हरा दिया। इसी के साथ होम टीम ने 3 मैचों की सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली। श्रीलंका ने टेस्ट सीरीज भी 1-0 से जीती थी। तीसरे वनडे में विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने सेंचुरी लगाई, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

निसांका-मेंडिस ने फिफ्टी पार्टनरशिप की

पल्लेकेले में मंगलवार को श्रीलंका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने ओपनर निशान मदुष्का का विकेट चौथे ओवर में ही गंवा दिया, वे 1 ही रन बना सके। दूसरे ओपनर पाथुम निशांका ने फिर कुसल मेंडिस के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। हालांकि, वे भी 35 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे कामिंडु मेंडिस 16 ही रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद कप्तान चरिथ असलंका ने फिफ्टी लगाई और कुसल के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 124 रन जोड़े, असलंका 58 रन बनाकर आउट हो गए।मेंडिस ने शतक लगा दिया, लेकिन उनके सामने जनिथ लियानागे 12, दुनिथ वेल्लालागे 6, वनिंदू हसरंगा 18 और दुष्मंथा चमीरा 10 ही रन बना सके।

व्यापार

इलॉन मस्क के एआई चैट-बॉट ने हिटलर की तारीफ की, ग्रोक ने यहूदी विरोधी बयान दिए

नई दिल्ली। इलॉन मस्क की कंपनी एक्सएआई का चैट बॉट ग्रोक एक बार फिर विवादों में हैं। इस बार ग्रोक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर हिटलर की तारीफ में और यहूदी विरोधी बातें लिख दीं। इस पर ङ्क यूजर्स ने भारी नाराजगी जताई है। कई यूजर्स ने शिकायत की कि ग्रोक बार-बार यहूदी सरनेम को ऑनलाइन कट्टरपंथ से जोड़ रहा है। यूजर्स के मुताबिक ग्रोक ने यह भी लिखा कि मीडिया, फाइनेंस और पॉलिटिक्स में यहूदी लोगों की हिस्सेदारी उनकी आबादी से कहीं ज्यादा है, जबकि उनकी आबादी सिर्फ 2 प्रतिशत है।

कंपनी ने सफाई दी कि जैसे ही उन्हें इन आपत्तिजनक पोस्ट्स की

जानकारी मिली, तुरंत हटा दी गईं और अब्द्र ढ्ढ को दोबारा ट्रेन किया जा रहा है ताकि आगे से ऐसी बातें न हों। एक्सएआई ने कहा कि वह अब ऐसे कंटेंट को पोस्ट होने से पहले ही रोकने के लिए नए कदम उठा रही है।

ग्रोक पहले भी विवादों में रह चुका यह पहली बार नहीं है जब ग्रोक विवादों में आया है। इससे पहले मई में भी चैट बॉट ने नस्लीय और विवादित बातें लिख दी थीं। जिसके बाद यूजर्स नाराज हो गए थे। अब यूजर्स मस्क की फ्री स्पीच पॉलिसी और एआई की मॉडरेशन पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल, ग्रोक के पब्लिक पोस्ट्स रोक दिए गए हैं, लेकिन निजी चैट्स में यह अभी भी एक्टिव है।

बैंक ऑफ इंडिया ने ब्याज दरों में बदलाव किया

999 दिनों की ग्रीन डिपॉजिट पर अब 6.7 प्रतिशत और सेविंग डिपॉजिट पर 2.50 प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली। बैंक ऑफ इंडिया ने ग्रीन डिपॉजिट और सेविंग डिपॉजिट के ब्याज दरों में बदलाव किया है। रेपो रेट में हालिया बदलाव के बाद बैंक ने 999 दिनों की ग्रीन डिपॉजिट पर ब्याज दर को सालाना 7 प्रतिशत से घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। यह दर 1 लाख से 10 करोड़ रुपए से कम की जमा राशि पर लागू होगी।

इसके अलावा, 1 लाख रुपए तक की सेविंग डिपॉजिट पर ब्याज दर को सालाना 2.75 प्रतिशत से घटाकर 2.50 प्रतिशत कर दिया गया है। नई दरें 7 जुलाई से लागू है। सेविंग डिपॉजिट की अन्य किसी भी दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

ग्रीन डिपॉजिट स्कीम एक फिक्स टर्म डिपॉजिट जैसा ही है। इसमें ऐसे लोग निवेश कर सकते हैं, जो अपने पैसों से पर्यावरण को साफ और रहने लायक बनाने में मदद करना चाहते हैं।

क्योंकि, बैंक डिपॉजिट का पैसा उन्हीं प्रोजेक्ट्स में लगाता है, जो रिन्युएबल एनर्जी, ग्रीन बिल्डिंग, और स्मार्ट एग्रीकल्चर और वाटर-वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स पर काम करते हैं। इसमें 1000 रुपए से ज्यादा और 3 करोड़ रुपए से कम की राशि जमा कराई जा सकती है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने जून में फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत तक की कटौती की थी। एसबीआई में अब 1 साल की एफडी कराने पर 6.25 प्रतिशत ब्याज मिल रहा। नई ब्याज दरें 15 जून से लागू हैं। इससे पहले बैंक ने पिछले महीने 16 मई को भी ब्याज दरों में 0.20 प्रतिशत तक की कटौती की थी।

सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी से सात राज्यों ने जुटाए 13,300 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। राज्य सरकार की प्रतिभूतियों (एसजीएस) की ताजा नीलामी में देश के सात राज्यों ने कुल 13,300 करोड़ रुपये जुटाए। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सभी राज्यों ने अपनी अधिसूचित पूरी राशि स्वीकार कर ली।

मध्य प्रदेश सबसे आगे, इसने दो प्रतिभूतियों के जरिए ?4,800 करोड़ जुटाए। राज्य ने 16 साल की अवधि पर 7.14त्न और 18 साल की अवधि पर 7.15त्न का उच्चतम यील्ड ऑफर किया, जो इस दौर में सबसे ज्यादा था। इसके बाद महाराष्ट्र ने ?4,000 करोड़ जुटाए, जो दूसरे स्थान पर रहा। राज्य ने 20 और 21 साल की अवधि वाली दो प्रतिभूतियां जारी कीं। इन पर 7.14त्न यील्ड मिल रहा है। बिहार ने इस नीलामी दौर में सबसे कम प्रतिफल पर 2,000 करोड़ रुपये जुटाए। राज्य ने 6.88 प्रतिशत की दर से 10 साल की प्रतिभूति की पेशकश की, जो ब्याज लागत के लिहाज से सबसे किफायती सौदा रहा।

तेलंगाना ने सबसे लंबी अवधि की प्रतिभूति जारी की

अन्य प्रतिभागियों में हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मिजोरम और तेलंगाना भी शामिल रहे। हरियाणा ने 16 साल की अवधि की प्रतिभूति पर 7.12त्न यील्ड के साथ ?1,000 करोड़ जुटाए।जम्मू-कश्मीर और मिजोरम दोनों ने 15 साल की प्रतिभूतियों पर 7.14त्न यील्ड के साथ क्रमश- ?400 करोड़ और ?100 करोड़ रुपये जुटाए। तेलंगाना ने सबसे लंबी अवधि 30 साल की प्रतिभूति जारी की और 7.13त्न यील्ड पर 1,000 करोड़ रुपये जुटाए।

पूंजीगत खर्च और राजकोषीय जरूरतों को पूरा करने में मिली मदद

यह यील्ड-आधारित नीलामी आरबीआई के नियमित कर्ज कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई। इससे राज्यों को पूंजीगत खर्च और राजकोषीय जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली।आंकड़ों से पता चला कि विभिन्न अवधियों में निवेशकों की मांग मजबूत रही और सभी राज्यों ने बिना किसी अंडर-सब्सक्रिप्शन के अपने इच्छित राशि को जुटाने में सफल रहे। राज्यों के लिए यह नीलामियां बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण का एक प्रमुख तरिका है। जिससे वे केंद्रीय बैंक की व्यापक आर्थिक ढांचे के तहत राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हैं।

अमेरिका की सख्त नीतियों ने धीमी की एनबीएफसी की शिक्षा ऋण रफ्तार, क्रिसिल ने जताई चिंता

नई दिल्ली। गैर-सरकारी वित्तीय संस्थानों (एनबीएफसी) के शिक्षा ऋण काराबोर की रफ्तार चालू वित्त वर्ष में धीमी रहने की संभावना है। शिक्षा ऋण सबसे तेजी से बढ़ने वाला परिसंपत्ति वर्ग रहा है।इसने पिछले कुछ वार्षों में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। क्रिसिल रेंटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष इसकी वृद्धि दर आधी यानी 25त्न रहने की उम्मीद है।

अमेरिका में वीजा से जुड़ी चुनौतियों और नीतिगत अनिश्तिताओं के कारण लोन की मांग पर असर पड़ा है। हालांकि इस समस्या को कम करने के लिए एनबीएफसी नए भौगोलिक क्षेत्रों और उत्पाद समीपवर्ती क्षेत्रों में विविधता ला रही हैं। एनबीएफसी का

शिक्षा ऋण पोर्टफोलियो वित्त वर्ष 2024-25 में 48त्न की तेज वृद्धि के साथ 64,000 करोड़ तक पहुंचा था। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह वृद्धि और भी अधिक, 77 प्रतिशत रही थी। हालांकि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में यह वृद्धि घटकर 25 प्रतिशत रह सकती है, जिससे एयूएम करीब 80,000 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट सोना 837 कम होकर 96,135 प्रति 10 ग्राम पर आया

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में 9 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 837 कम होकर 96,135 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम ?96,972 पर था।

वहीं चांदी की कीमत 137 कम होकर 1,07,363 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,07,500 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,973 रुपए बढ़कर 96,135 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 21,346 रुपए बढ़कर 1,07,363 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (ढ्ढस्) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ॥ढ्ढष्ठ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है-ं4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

सामंजस्यपूर्ण जीवन की नींव अध्यात्म की सुदृढ़ भारतीय परम्परा — राज्यपाल हरिभाऊ बागडे

'सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए मानव मूल्य विषयक' संगोष्ठी में रखे विचार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के सत्य साईं ट्रस्ट जिले में स्थित प्रशांति निलयम में सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए मानव मूल्य विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

इस दौरान उन्होंने सत्य साईं केन्द्रीय ट्रस्ट की संगोष्ठी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सामंजस्यपूर्ण जीवन की नींव अध्यात्म की सुदृढ भारतीय परम्परा पर खड़ी है। भारतीय परम्परा में अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीवन जीने को महान कहा गया है। उन्होंने श्री सत्य साईं का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अध्यात्म के उन मूल्यों को जिया जिसमें दीन दुखियों के लिए सोच रखकर कार्य करने को ही ईश्वर की सर्वोत्तम सेवा माना गया है। राज्यपाल ने कहा कि जब हम निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करते हैं, तभी हम ईश्वर के करीब आते हैं। उन्होंने अध्यात्म की भारतीय परम्परा पर चर्चा करते हुए कहा कि अध्यात्म धर्म नहीं है। अध्यात्म का अर्थ है अपने आपको जानना। उन्होंने कहा कि अध्यात्म मानवीय मूल्यों से और सेवा कार्य से जोड़ने की हमें सीख देता है। उन्होंने नर सेवा को ही नारायण सेवा बताते हुए कहा कि सनातन संस्कृति जीवन के उदात्त मूल्यों पर जोर देती है। इसमें आपदा के समय मनुष्यता को बचाने और प्राणियों के कल्याण को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है।

एसीबी ने जेल प्रहरी 26,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ धरदबोचा, कार्रवाई से खुला जेल में भ्रष्टाचार का मामला

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजधानी जयपुर में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जारी मुहिम के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को एक अहम कार्रवाई को अंजाम देते हुए जिला कारागृह जयपुर में तैनात जेल प्रहरी को रिश्वत लेते रंगे हाथों धरदबोचा। आरोपी प्रहरी, जगवीर सिंह (बेल्ट नंबर 2542), को एसीबी चौकी जयपुर नगर-तृतीय की टीम ने 26,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। फिरौती केस में बंद भाई को जेल में न सताने की एवज में मांगी थी रिश्वत।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी को शिकायत प्राप्त हुई थी कि एक परिवादी का भाई विगत आठ दिनों से एक फिरौती के मामले में जिला कारागृह जयपुर में बंद है। परिवादी का आरोप है कि आरोपी जेल प्रहरी जगवीर सिंह लगातार उसे परेशान कर रहा था और यह धमकी दे रहा था कि यदि 70,000 रुपये की रिश्वत नहीं दी गई तो उसके भाई को जेल में मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाएगा।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसीबी उपमहानिरीक्षक-द्वितीय जयपुर, राहुल कोटोकी के सुपरविजन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल और उप अधीक्षक पुलिस सुरेश कुमार स्वामी के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक नाथूलाल बंशीवाल सहित अन्य अधिकारियों ने जाल बिछाया।

बुधवार को नियोजित ट्रैप कार्रवाई के दौरान जैसे ही आरोपी जगवीर सिंह परिवादी से 26,000 रुपये की रिश्वत ले रहा था, एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस पूरी कार्रवाई को गोपनीयता और तकनीकी निगरानी के तहत अंजाम दिया गया, जिससे आरोपी को कोई भनक नहीं लगी।

फिलहाल एसीबी द्वारा आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। प्राथमिक पूछताछ में संकेत मिले हैं कि यह कोई एकल प्रकरण नहीं है, बल्कि जेल परिसर में भ्रष्टाचार की एक बड़ी कड़ी हो सकती है। एसीबी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। आरोपी के मोबाइल फोन, जेल में तैनाती से जुड़े रिकॉर्ड और पिछले 6 महीने की गतिविधियों की भी गहन पड़ताल की जाएगी।

जेल सिस्टम पर फिर उठे सवाल

इस ताजा घटनाक्रम से एक बार फिर राज्य के जेल प्रशासन की पारदर्शिता और नैतिकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ओर तो सरकार जेल सुधारों की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर जेल प्रहरी जैसे कर्मचारी जेल में बंद कैदियों से अवैध वसूली कर रहे हैं। यह प्रकरण इस बात की तस्दीक करता है कि राज्य की जेलों में भ्रष्टाचार अब भी गहराई तक फैला हुआ है।

एसीबी की लगातार सक्रियता

पिछले कुछ महीनों में एसीबी जयपुर ने कई हाई-प्रोफाइल ट्रैप केस में सफलता हासिल की है। चाहे वह सरकारी बाबुओं की रिश्वतखोरी हो या फिर पुलिसकर्मियों की घूसखोरी– एसीबी की सख्त निगरानी से कोई नहीं बच पाया है। यह कार्रवाई भी इसी कड़ी में एक और मजबूत कदम के रूप में देखी जा रही है।

हमारा लक्ष्य पात्र व्यक्तियों को शत प्रतिशत मतदाता सूची में जोड़ना : श्रीनिधि बीटी

जिला कलक्टर ने की प्रशिक्षण कार्यक्रम की विजिट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बसेड़ी । निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायत समिति सभागार बसेड़ी में तीसरे दिन विधानसभा बसेड़ी की भाग संख्या 101 से 150 के बीएलओ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बीटी द्वारा विजिट की गई। उन्होंने कहा कि निर्वाचन विभाग आगामी दिनों में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम आयोजित करने वाला है इसके लिए सभी बीएलओ अपने भाग के प्रत्येक परिवार के जागरूक मतदाता को जोड़कर व्हाट्सएप ग्रुप तैयार कर लें, साथ ही आगामी दिनों में इस सम्बंध में विस्तृत ट्रैनिंग दिए जाने के बारे में अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित बीएलओ से ट्रैनिंग का फीडबैक भी लिया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों के द्वारा बीएलओ को क्षेत्र में आने वाली समस्याओं का निराकरण करना सिखाया गया। मास्टर ट्रेनरों द्वारा मौजूद बीएलओ को नए मतदाताओं को मतदाता सूची में त्रुटि रहित कैसे जोड़ा जाए, इन कार्यों की जानकारी दी गई तथा बीएलओ को बताया गया कि आपके क्षेत्र में कोई भी पात्र व्यक्ति जो 18 या उससे अधिक उम्र का है उसे शत प्रतिशत मतदाता सूची में जोड़ना हमारा लक्ष्य है। इसके अलावा आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान बीएलओ को घर-घर जाकर भरे जाने वाले गणना प्रपत्र के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई साथ ही बीएलओ को रोल प्ले करना भी सिखाया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) सुधारानी मीना ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा बसेड़ी के सभी बीएलओ को 50-50 के बैच में ट्रैनिंग प्रदान की जा रही हैं। आगामी बीएलओ ट्रैनिंग दिनांक 14 व 15 जुलाई को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बसेड़ी में आयोजित की जाएंगी। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर राजेश शर्मा, नाहर सिंह शाक्य,रघुराज सिंह परमार, बृजकिशोर शर्मा, सहायक प्रशिक्षक मनीष शर्मा, मंगल शाक्य, ईआरओ स्टाफ विपुल गर्ग, नीरज सिंघल, शुभम गोयल, माधव सिंह आदि कार्मिक उपस्थित रहे।

राजफेड और राष्ट्रीय स्तर पर गठित बहुराज्यीय सहकारी समितियों के मध्य एमओयू

एमओयू से किसानों और सहकारी समितियों को मिलेगा लाभ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। सहकारी समितियों व किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाये जाने तथा जैविक उत्पादों के विपणन हेतु राजस्थान राज्य क्रय-विक्रय सहकारी संघ (राजफेड) द्वारा भारतीय बीज सहकारी समिति लि. एवं राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लि. के साथ एमओयू किया गया है। बुधवार को राजफेड कार्यालय में एमओयू की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। इन एमओयू का लाभ आगामी दिनों में किसानों एवं सहकारी समितियों से जुड़े सदस्यों को प्रत्यक्ष तौर पर मिलेगा।

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक के नेतृत्व तथा सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल के निर्देशन में राज्य में 'सहकार से समृद्धि' की पहलों को बेहतर रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है। दक एवं राजपाल की मंशा के अनुरूप हुए इन एमओयू से सहकारिता के क्षेत्र में जैविक उत्पादों के विपणन, किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज एवं आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने तथा बाजार तक कृषक समूहों की पहुंच बढ़ाने में सहायता मिलेगी। एनसीओएल के साथ एमओयू से बासमती चावल, धान, गेहूं, दालें, शहद, मिलेट्स एवं औषधीय उत्पादों आदि के लिए विपणन के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

राजफेड की ओर से प्रबंध संचालक टीकम चन्द बोहरा ने करार पर हस्ताक्षर किये जबकि, भारतीय बीज सहकारी समिति लि. की ओर से इंस्टीट्यूशनल हैड परमवीर यादव एवं राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लि. की ओर से को-ऑपरेटिव हैड विनीत कुमार ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि राज्य में जैविक उत्पादों का विपणन एनसीओएल के माध्यम से एवं उच्च गुणवत्ता के बीज बीबीएसएसएल के माध्यम से उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा राजफेड को नोडल एजेंसी नामित किया गया है। राज्य में अब तक 2,700 से अधिक सहकारी समितियों द्वारा भारतीय बीज सहकारी समिति लि. एवं लगभग 217 सहकारी समितियों द्वारा राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लि. की सदस्यता ली जा चुकी है। राजफेड के महाप्रबंधक अमित शर्मा एवं सहकार से समृद्धि के कंसल्टेंट आर.एस. जोधा सहित अन्य अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

कोर्ट की फटकार के बाद भी सरकार की हठधर्मिता दुर्भाग्यपूर्ण : हनुमान बेनीवाल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान में एसआई भर्ती घोटाले और पेपर लीक मामलों पर बढ़ते जनाक्रोश के बीच राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने एक बार फिर भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। शहीद स्मारक पर धरने और मीडिया को संबोधित करते हुए बेनीवाल ने कहा कि कोर्ट की स्पष्ट फटकार के बावजूद सरकार का हठधर्मिता पर अड़े रहना और दोहरा रवैया बनाए रखना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। कोर्ट ने राज्य सरकार से सीधा सवाल किया है कि जब पेपर लीक हुआ है, तो यह कैसे तय किया जाएगा कि चयनित अभ्यर्थी सही प्रक्रिया से आए हैं या फर्जी तरीके से? इस पर उन्होंने सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि भजनलाल सरकार अब इस गंभीर विषय को भी क्रेडिट लेने का जरिया बना रही है, जबकि यह कोई बच्चों का खेल नहीं है।

युवाओं से किया आह्वान

बेनीवाल ने प्रदेश के युवाओं से सीधा संवाद करते हुए कहा मैं लगातार आपकी लड़ाई लड़ रहा हूं, लेकिन आपको भी मजबूती से मैदान में उतरना होगा। अगर आज आपने चुप्पी साधी, तो आने वाली पीढ़ियां आपसे सवाल करेंगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह लड़ाई केवल किसी परीक्षा की नहीं, बल्कि न्याय, पारदर्शिता और भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों की लड़ाई है।

बजरी माफिया और पुलिस पर गंभीर आरोप

नागौर सांसद ने राजस्थान में बजरी माफियाओं की बढ़ती दादागिरी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार और पुलिस मिलकर माफियाओं को संरक्षण दे रही है, और रियां क्षेत्र की घटना इसका ताजा उदाहरण है जहां किसानों पर वाहन चढ़ाकर उन्हें कुचला गया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अब कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नहीं बची है, जंगलराज जैसी स्थिति पैदा हो गई है।

आरपीएससी के पुनर्गठन की मांग दोहराई

बेनीवाल ने साफ तौर पर कहा कि आरएलपी का धरना व संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक एसआई भर्ती को रद्द नहीं किया जाता और राजस्थान लोक सेवा आयोग का पुर्नगठन नहीं किया जाता। उन्होंने यह भी कहा कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं, पूरे प्रदेश के युवाओं और उनके सपनों का है।

हाल ही में राजस्थान में आयोजित हुई एसआई भर्ती परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं, जिस पर अदालत ने भी सरकार से जवाब तलब किया है। इसके बावजूद सरकार ने परीक्षा रद्द नहीं की और न ही स्पष्ट कार्रवाई की, जिससे नाराज़ युवाओं और विपक्षी दलों का रोष बढ़ता जा रहा है।

बस स्टैंड बनवाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बसेड़ी। बसेड़ी में बस स्टैंड बनवाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के दौरान रामबली शर्मा ने बताया कि बसेड़ी क्षेत्र में अभी तक कोई भी बस स्टैंड नहीं होने पर आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा बसेड़ी मार्ग पर चलने वाली रोडवेज बसों के लिए खड़े होने तक के लिए जगह नहीं है। वर्तमान में ये बसें जगनेर रोड पर खड़ी होकर वहीं से सवारियों को बैठा रही हैं। साथ ही बसों को रोड पर ही बैक करने से आए दिन दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। लोकेश पाराशर ने बताया कि यात्रियों को सर्दी, गर्मी और बारिश के मौसम में खुले में ही बसों का इंतजार करना पड़ता है। ज्ञापन के दौरान रामबली शर्मा, अश्वनी पाराशर, लोकेश पाराशर, रोहित शर्मा, दीपेंद्र परमार, प्रवीण शाक्य, धीरज बंसल, राजू कुशवाह, आशिक खान, टीकम सिंह, मुनेंद्र परमार, राजेंद्र पाराशर, गिर्राज परमार, भानु प्रताप परमार, सुग्रीव सिंह, अभिषेक, महेश सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी लोग मौजूद रहे।

मुरैना जीएसएस से निकलने वाले 11के वी फीडर की विद्युत रहेगी बाधित

राजाखेड़ा । राजाखेड़ा विद्युत वितरण के कनिष्ठ अभियंता मयंक मिश्रा ने बताया कि 10 जुलाई गुरुवार को 33/11 केवी मरैना जीएसएस से निकलने वाले सभी 11 केवी फीडर मरैना, शेखपुरा, माता रेहना वाली और चरन कोल्ड की विद्युत सप्लाई सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक बंद रहेगी। उक्त अवधि में फीडर और जीएसएस मेंटिनेंस का कार्य किया जाएगा।

जैन अविवाहित प्रस्तुति समूह का तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन 16 व 17 अगस्त को

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र गोलाकोट में 16 एवं 17 अगस्त को जैन अविवाहित प्रस्तुति समूह का तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होगा। शहर क्षेत्र के क्षेत्रीय संयोजक सुबोध जैन ने बताया कि दो दिवसीय इस अधिवेशन में सजातीय विवाह योग युवाओं के परिचय पत्र पुस्तिका और सगाई विषयों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में देश भर से एपीपीएस के सैकड़ों प्रतिनिधि शामिल होंगे। तीर्थ वंदना पूजन और विधान के साथ कार्यक्रम धार्मिक रंग में रंगेगा। संपूर्ण जैसवाल जैन समाज के विवाह प्रयासों में पड़रय ऐप की भूमिका भी प्रमुख रहेगी। धौलपुर शहर के वरिष्ठ क्षेत्रीय संयोजक राजकुमार जैन के नेतृत्व में शहर से भी लगभग 25 से 30 क्षेत्रीय संयोजक एवं अन्य सदस्य इस राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होंगे।

जिला राजपूत सभा के नवीन अध्यक्ष पद का चुनाव 13 को

धौलपुर। जिला राजपूत सभा के नवीन अध्यक्ष पद का मतदान हिंदी वर्णमाला के अनुसार किया जाएगा। जिला राजपूत सभा के नवीन अध्यक्ष पद का निर्वाचन संस्था के स्थायी सदस्य, द्विवर्षीय सदस्य, भामाशाह वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप मूर्ति अनावरण में प्रदान आर्थिक सहयोग दाता को सदस्य एवं मतदान प्रक्रिया में सम्मिलित किया गया है। इस चुनाव हेतु चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत नियम शर्त का पालन करते हुए अंतिम रूप से प्रत्याशी नरोत्तम सिंह परमार, शहंशाह सिंह, सुरेन्द्र सिंह रहे हैं। चूंकि मतदान दिवस 13 जुलाई से पूर्व मतदान की सभी प्रक्रिया तैयार किए जाने के प्रावधान में चुनाव चिन्ह का आवंटन अथवा नाम प्रक्रिया से चुनाव कराया जाने के संबंध में विकल्प के तौर पर चुनाव समिति द्वारा प्रत्याशी के नाम से चुनाव कराया जाना तय किया गया है। जिला राजपूत सभा की चुनाव समिति ने चुनाव जिला राजपूत सभा के नवीन अध्यक्ष पद का चुनाव 13 जुलाई को होगा। जानकारी जिला राजपूत सभा के चुनाव अधिकारी रविंद्र सिंह ने दी।

दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और उपकरण उपलब्ध कराने के लिए शिविर आज

धौलपुर। शिविर प्रभारी उपखंड अधिकारी धौलपुर डॉ. साधना शर्मा तथा जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी देवेंद्र सिंह जांगल द्वारा बताया गया कि राजस्थान सरकार के निदेशालय विशेष योग्यजन, जयपुर द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल के तहत दिव्यांगजनों को 20 हजार रुपए तक के कृत्रिम अंग और उपकरण उपलब्ध कराने हेतु जिले में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन वित्तीय वर्ष 2025 की बजट घोषणा की अनुपालना में है, जिसका लक्ष्य एक लाख दिव्यांगजनों को सहायता पहुंचाना है। इन शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन को सुगम बनाना है। संबंधित उपखण्ड अधिकारी और विकास अधिकारी शिविरों की व्यवस्था और अधिक से अधिक दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड, यूडीआईडी और स्वावलंबन पोर्टल के विशेषज्ञ ई-मित्र संचालक शिविर स्थल पर मौजूद रहेंगे। शिविर 10 जुलाई को पंचायत समिति परिसर धौलपुर में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिले के पात्र दिव्यांगजनों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित सभी दस्तावेज लेकर शिविर में आकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

सैपऊ रोड़ भीमा का अड्डा पर बिजली करंट से भैंस की मौत

बाड़ी। शहर के सैपऊ रोड स्थित बीमा का अड्डा पर एक किसान की घर के बाहर पेड़ के नीचे बंधी भैंस बिजली करंट के चलते अकाल मौत का शिकार हो गई। घटना के बाद पीड़ित किसान ने मामले की जानकारी प्रशासन को दी साथ में पशु चिकित्सक को भी मौके पर बुलाया। पीड़ित किसान द्वारा प्रशासन से मदद की मांग की है और डिस्काम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।सैपऊ रोड बीमा का अड्डा निवासी पीड़ित किसान राजकुमार पुत्र अवतार सिंह गुर्जर ने बताया कि वह मूल रूप से डांग के मुगलपुरा खिरकारी का रहने वाला है लेकिन कुछ वर्षों से शहर के सैपऊ रोड स्थित भीमा के अड्डा पर रह रहा है। सोमवार शाम की घटना है। उसकी एक दुधारू भैंस जिसके 15 दिन पहले ही बच्चा हुआ था। घर के बाहर पेड़ की छाया में बंधी हुई थी। जिसके ऊपर से होकर 11 केवी लाइन जा रही है। पास के पोल के इंसुलेटर में अचानक स्पार्किंग हुई और वह फट गया। इससे करंट फैल गया जिसकी चपेट में आने से भैंस की मौत हो गई। पीड़ित किसान ने भैंस की कीमत करीब 70000 रुपए बताई है और प्रशासन से मदद की मांग की है।

जवानी में न हों चिड़चिड़े

एसके मंगल

युवावस्था में चिड़चिड़ा होना सामान्य बात होती है, लेकिन इसका असर बुजुर्गावस्था पर पड़ सकता है। इसे विस्तार से समझे कि युवावस्था में चिड़चिड़ापन क्यों होता है? इसके कई कारणों से हो सकते हैं। इस उम्र में शरीर में होने वाले बदलाव भावनाओं को प्रभावित करते हैं। पढ़ाई, करियर, या रिश्तों की चुनौतियां तनाव पैदा कर सकती हैं। भावनाओं को समझने या व्यक्त करने में कठिनाई भी इसका कारण हो सकती है। हालांकि यह स्वाभाविक है और समय के साथ कम हो सकता है, लेकिन अगर इसे अनदेखा किया जाए या सही तरीके से संभाला न जाए, तो इसके लंबे प्रभाव होते हैं।युवावस्था में चिड़चिड़ापन लगातार बना रहे और इसे नियंत्रित न किया जाए, तो यह आदत बन सकती है। बुजुर्ग अवस्था में यह और बढ़ सकता है, क्योंकि स्वास्थ्य समस्याएं जैसे दर्द, कमजोरीया नींद की कमी चिड़चिड़ापन बढ़ा सकती हैं। याददाश्त में कमी या जीवन में बदलाव इसे और उत्तेजित कर सकते हैं।युवावस्था में बनी चिड़चिड़ी प्रकृति बुजुर्ग अवस्था में और गहरी हो सकती है। अगर युवावस्था में ध्यान न दिया जाए, तो बुजुर्ग अवस्था में चिड़चिड़ापन न केवल बना रह सकता है, बल्कि और गंभीर रूप ले सकता है।क्या किया जा सकता है? युवावस्था में ही चिड़चिड़ापन को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है ताकि बुजुर्ग अवस्था में मानसिक शांति रहे। इसके लिए ध्यान और योग तनाव को कम करने और भावनाओं को संतुलित करने में मदद करते हैं। स्वस्थ जीवनशैली में अच्छी नींद, संतुलित आहार और व्यायाम चिड़चिड़ापन कम कर सकते हैं। अपनी भावनाओं को पहचानना और उन पर काम करना जरूरी है। निष्कर्ष रह है कि युवावस्था में चिड़चिड़ा होना सामान्य हो सकता है, लेकिन इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। अगर इस पर समय रहते ध्यान दिया जाए, तो बुजुर्ग अवस्था में न केवल चिड़चिड़ापन कम हो सकता है, बल्कि एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन भी जिया जा सकता है। वहीं, अगर इसे नजरअंदाज किया गया, तो बुजुर्ग अवस्था में यह समस्या बढ़ सकती है, जिससे मानसिक और शारीरिक परेशानी हो सकती हैं। इसलिए अभी से इस पर काम शुरू करना समझदारी भरा कदम होगा।

जयपुर में चाकू से गोदकर युवक की हत्या

जयपुर। जयपुर में एक युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि युवक का मर्डर कर उसका शव सुनसान जगह पर फेंका गया। मामला शहर के सेज थाना इलाके के नेवटा गांव का है। बुधवार सुबह 7 बजे जब स्थानीय लोगों ने शव को देखा तो पुलिस कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस टीम और एफएलएल टीम मौके पर पहुंची।

एलओ असिस्टेंस विजिट: जेसीआई बूंदी ऊर्जा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। जेसीआई बूंदी ऊर्जा द्वारा एलओ असिस्टेंस विजिट (एलएवी) का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में जेएफडी निशा जोशी, जोन वाइस प्रेसिडेंट, रीजन डी, जोन-5 ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

उपाध्यक्ष अनुपमा जैन ने बताया बैठक में जेसीआई बूंदी ऊर्जा के पदाधिकारियों ने भाग लिया और संगठन के कार्यों पर चर्चा की। इस दौरान, जेसीआई बूंदी ऊर्जा को तीन महत्वपूर्ण पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें डायमंड प्रेसिडेंट अवार्ड अंशुल जैन को, सेक्रेटरी अवार्ड अंकिता नवल को और ऑफिसर अवार्ड सिंपल भंडारी को मिला. जेसीआई बूंदी ऊर्जा के पदाधिकारियों ने इस उपलब्धि के लिए जेएफडी निशा जोशी का आभार व्यक्त किया। इस बैठक का उद्देश्य संगठन के कार्यों को मजबूत करना और सदस्यों को प्रशिक्षित करना था। उन्होंने गत 6 महीने के कार्यों का जायजा लिया. जेसीआई बूंदी ऊर्जा के अध्यक्ष जेसी अंशुल जैन ने कहा कि यह उपलब्धि संगठन के लिए एक बड़ी सफलता है और हमें आगे भी इसी तरह के प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष अंशुल जैन,सचिव अंकिता नवल,कोषाध्यक्ष कविता नवल, पूर्व अध्यक्ष ख्याति भंडारी, नंदिनी विजय, सहसचिव नीतिका माथुर, उपाध्यक्ष अनुपमा जैन, सिंपल भंडारी, एकता जैन, नेहा शर्मा आदि उपस्थित रहे.

संगीत की स्वर लहरिया केसरी नंदन हनुमान जी महाराज के दरबार में गूंजती रही और छोटी काशी के श्रद्धालु नृत्य करते हुए भजनों का आनंद लेते रहे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। सप्तम सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ में मंगलवार को डॉ गोविंद माहेश्वरी(ऐलन) के श्री मुख से संगीतमय हनुमान चालीसा एवं भजनों का छोटी काशी के सनातन धर्म प्रेमी बंधुओ का बड़ी संख्या में पहुंचकर आनंद लिया। संगीत की स्वर लहरिया केसरी नंदन हनुमान जी महाराज के दरबार में गूंजती रही और छोटी काशी के श्रद्धालु नृत्य करते हुए भजनों का आनंद लेते रहे। केसरी नंदन हनुमान जी महाराज के दरबार में डॉ माहेश्वरी ने छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना, सिया राम की गली में तुम आना, राम आएंगे आएंगे राम आएंगे, जैसे प्रमुख भजनों की प्रस्तुति देकर लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। शाम 5 बजे प्रारंभ हुआ कार्यक्रम रात 9:30 बजे तक श्रद्धालुओं की बड़ी उपस्थिति में चलता रहा। कोटा से डॉक्टर महेश्वरी के साथ एलेन के निदेशक राजेश माहेश्वरी ,नवीन माहेश्वरी , कोटा के प्रमुख व्यवसायि आनंद राठी , मदन मेहता ,मुकेश मंत्री ,संदीप सोनी , राकेश मोहता ,राजेश जैन , पंकज लड्ढा , राजस्थान के जाने-माने ऑर्गन वादक बृजेश दाधीच , ढोलक पर कुलदीप सारस्वत, पेड़ पर भाई शुभम ने संगत देते हुए पूरे वातावरण संगीतमय बना दिया। सभी आए हुए अतिथियों का श्री बजरंग जन कल्याण एवं आध्यात्मिक समिति के अध्यक्ष राजेश शर्मा ,उपाध्यक्ष गिरिराज प्रजापत ,सचिव दिलीप शर्मा ,जितेंद्र शर्मा , कन्हैयालाल शर्मा , मोहित शर्मा ,चेतन शर्मा ने माला और दुपट्टा पहना कर स्वागत किया । ब्रह्मलीन महंत परमहंस श्री श्री 1008 बजरंग दास जी महाराज लाल लंगोट वाले बाबा ने जिस प्रकार बूंदी की जनता की सेवा करी उसमें सामान्य चिकित्सालय में लोगों की सुविधा के लिए रेन बसेरा बनाया गया , अरनेटा अस्पताल के महिला वार्ड में 21 पलँग बूंदी की जनता के लिए बाबा की ओर से यह विशेष उपहार रहा है। जो अमूमन देखने को नहीं मिलता है। यह हमारे संत शिरोमणि लाल लंगोट वाले बाबा की प्रेरणा है की भक्ति के साथ-साथ समाज की आवश्यकता की पूर्ति भी संत करते हैं। छोटी काशी के पवित्र तीर्थ स्थल नरसिंह आश्रम पर लोगों का लगातार जुड़ाव यहां के भक्ति मय वातावरण को दर्शाता है। 10 जुलाई गुरुवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ के समापन के शुभ अवसर पर कोटा बूंदी लोकसभा के लाडले सांसद देश की सबसे बड़ी पंचायत के मुखिया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नरसिंह आश्रम पधारकर बाबा का आशीर्वाद लेंगे । जानकारी समाजसेवी भरत शर्मा ने दी।

जिले मे विभिन्न आई.टी. परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध मे समीक्षा बैठक का आयोजन कर उनके बेहतर क्रियान्वयन हेतु दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया की पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा जिले मे विभिन्न आई. टी. परियोजनाऐ जैसे सी.सी.टी.एन.एस., आईसीजेएस, एडवान्स एनालिटिक्स, राजकोप मोबाईल एप्स, ई साक्ष्य, ईआरएसएस 112 आदि परियोजनाऐ चलाई जा रही है। उनके बेहतर संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु स्टेट क्राईम रिकॉर्ड ब्यूरो राजस्थान जयपुर से विशेष टीमों का गठन किया है। जिसके सन्दर्भ मे एकता गौतम उप पुलिस अधीक्षक मय टीम द्वारा आज दिनाकं 09.07.2025 को बून्दी जिले का भ्रमण किया गया। इस दौरान कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी के सभागार भवन मे समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया बैठक मे राजस्थान पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा चलाई जा रही विभिन्न आई. टी. परियोजनाऐ सी.सी.टी.एन.एस., आईसीजेएस, एडवान्स एनालिटिक्स, राजकोप मोबाईल एप्स, ई- साक्ष्य, ईआरएसएस 112 आदि के बारे मे बैठक में परियोजनाओं की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। मुख्यालय द्वारा द्वारा गठित विशेष टीम द्वारा इन परियोजनाओं के बारे मे विस्तार से समझाकर अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करें तथा योजनाओं को जनहित में अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु तकनीकी संसाधनों का समुचित उपयोग करें। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बूंदी उमा शर्मा एवं जसवीर मीना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध अनुसंधान सेल बूंदी एवं जिले के समस्त वृत्तांत कमांडिंग कार्मिक मोजूद रहे।

शहर में स्थित ट्रांसफार्मरों के पास से नगरपरिषद कचरा पात्र हटावे, ताकि दुर्घटना की सम्भावना से छुटकारा मिले

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। नगर परिषद ने पूरे शहर को कचरा बात बना कर रख दिया, विशेष तौर से जहां-जहां पर विद्युत विभाग के ट्रांसफार्मर है वहां पर कचरा पात्र बना दिये है। जिसके कारण शहर और मोहल्ले गंदगी से अटे पड़े र हैं। कचरा संसाधनों के अभाव में समय पर नहीं उठ पाता ओर जब कचरा हटाने की बात आती है तो नगर परिषद द्वारा कचरा हटाते समय जेसीबी से कचरे के स्थान पर ट्रांसफार्मर ही नीचे गिरा दिया जाता है। पूर्व में ऐसी ही एक घटना गुरु नानक कॉलोनी हरिजन बस्ती में घट चुकी है, उस समय जेसीबी ड्राइवर को जेसीबी से कूद कर, भागकर अपनी जान बचाना पडा था, लेकिन उसके बाद भी स्थित जहां की तहा ही है।

इसीलिए नगर परिषद को चाहिए कि नगर परिषद सीमा में स्थित ट्रांसफार्मर के पास जहां-जहां भी कचरा पात्र बने हुए हैं उन्हें तुरंत हटाने का श्रम करे, ताकि इससे हादसे की संभावना समाप्त हो ओर विद्युत विभाग के कर्मचारियों को विद्युत मेंटेनेंस करते समय गंदगी का सामना नहीं करना पड़ेगा ओर आमजन को गंदगी से राहत मिल सके।

बूंदी विधायक ने धार्मिक स्थल से जुड़े स्थानों को दी सौगात

विधायक ने मालनमासी बालाजी में सार्वजनिक चौक का लोकार्पण किया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। विधायक हरिमोहन शर्मा ने मालनमासी बालाजी की बावड़ी के सामने स्थित सार्वजनिक स्थान पर चौक निर्माण हेतु 5 लाख रूपये की अनुशंसा की थी जिसका निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात आज लोकार्पण किया गया! साथ ही शर्मा ने बताया कि मालनमासी बालाजी स्थित बावड़ी में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा राजस्थान की विभिन्न बावड़ियों हेतु लगभग 10 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी जिसके अंतर्गत मेरे प्रयास से इस बावड़ी हेतु भी लगभग एक करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी।

मालनमासी समिति के अध्यक्ष नारायण सुमन ने विधायक हरिमोहन शर्मा का स्वागत सत्कार कर, धन्यवाद आभार जताया!

लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक ने संबोधन में कहा कि मालनमासी बालाजी मंदिर शहर सहित बूंदी जिले में आस्था का केंद्र है! हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन मालन मासी मन्दिर में दर्शन करने आते हैं। भविष्य में भी इस स्थान हेतु आवश्यकता अनुसार विधायक कोष से राशि दी जाएगी। विधायक कोष का पैसा जनता का है जो जनता के लिए समर्पित है! साथ ही मेरा प्रयास है कि बूंदी शहर के धार्मिक स्थलों से जुड़ी समस्या का समाधान किया जाए! इस हेतु मैंने विधायक कोष से मांधाता बालाजी पहाड़ी पर पेयजल पानी पहुंचाने हेतु 8-30 लाख रुपए और चामुंडा माता व्यू प्वाइंट में पानी की समस्या समाधान हेतु ट्यूबवेल और पानी की टंकी के 10 लाख रुपए की अनुशंसा की गई है जिसकी वित्तीय स्वीकृति आ गई है और जिसके टेंडर वन विभाग द्वारा लगा दिए गए हैं जल्दी उनका भी निर्माण कार्य पूर्ण होगा!

मालन मासी बालाजी समिति सदस्य नितेश शर्मा(निटू) ने बताया लोकार्पण कार्यक्रम में शहर अध्यक्ष शैलेश सोनी, मुकेश जैन संजय शर्मा, समिति उपाध्यक्ष लोकेश ठाकुर, सचिव विनोद सिंह,राकेश शर्मा देवी शंकर सैनी अशोक गर्ग कैलाश गुप्ता अजय गोयल मनोज गोचर, सुनील बॉबी,पुजारी लीलाधर सैनी, टिंकू सैनी बबलू सैनी अनिल शर्मा, महेश गौतम उपस्थित रहे! लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान विधायक हरिमोहन शर्मा के निजी सचिव मनीष गौतम एवं मालनमासी बालाजी समिति के सचिव विनोद के जन्मदिन के अवसर पर बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने माला पहनाकर वं उपस्थित सभी के द्वारा बालाजी प्रागण में जन्मदिन मनाया गया।

कबीर संस्कार केंद्र में गणवेश वितरण कार्यक्रम संपन्न

संस्कार युक्त शिक्षा समाज की दिशा निर्धारित करती है - भार्गव

बारां। विद्या भारती विद्यालय आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के तत्वाधान में दवा बस्ती में संचालित श्रीसंत कबीर संस्कार केंद्र छबड़ा पर गणवेश वितरण कार्यक्रम समारोह पूर्वक संपन्न हुआ।

संस्कार केंद्र जिला संयोजक हंसराज मेहरा एवं केंद्र प्रमुख जमनालाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार माहेश्वरी, विशिष्ट अतिथि मनोज गगरानी मुख्य वक्ता अशोक कुमार भार्गव रहे तथा समारोह की अध्यक्षता संजू माहेश्वरी ने की। मुख्य अतिथि द्वारा 51 टी शर्ट का वितरण किया गया। इस अवसर पर भार्गव ने कहा की धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए देश की भावी पीढ़ी शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी है। संस्कार युक्त शिक्षा समाज तथा देश की दशा व दिशा निर्धारित करती है।विद्या भारती द्वारा सेवा बस्ती में निशुल्क संस्कार केंद्र का संचालन विगत 10 वर्षों से हो रहा है जिसके सकारात्मक परिणाम भी बस्ती में दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के संपन्न जनों द्वारा गरीबों का सहयोग और सेवा हमारे संस्कृति का परम धर्म रहा है। प्रधानाचार्य अमृत लाल मीणा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

62 वें शंभूकारा 72 घंटे के कीर्तन का विधायक द्वारा महाआरती के साथ हुआ समापन

वैद्यनाथ महादेव का किया भव्य श्रृंगार, शंभू ?कारा के स्वरों से गूंजी छोटी काशी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बून्दी। शनिवार रात्रि से शुरू हुए तीन दिवसीय 72 घंटे के अखंड कीर्तन शंभू ओंकारा का मंगलवार रात 10 बजे विधायक हरिमोहन शर्मा द्वारा महाआरती के साथ समापन हो गया। समापन के अवसर पर शिव कीर्तन मंडल व शिव महिला मंडल के सदस्य एक पोशाक में नजर आए । जहां महिलाएं लहरिए की साड़ी में नजर आई तो वहीं पुरुष कुढ़ते व पजामें में नजर आएं,तीन दिनों तक छोटी काशी बूंदी भक्तिमय दिखी ओर शंभू ओंकारा के स्वरों से गूंज उठी। इस अवसर पर शहर के लंकागेट स्थित वैद्यनाथ महादेव का फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया।

शिव कीर्तन मंडल एवं शिव महिला मंडल के अध्यक्ष सत्यनारायण सोमानी ने बताया की विश्व कल्याण व वैश्विक शांति के साथ साथ जिले में अछी वर्षा की कामना के लिए वैधनाथ महादेव पर 72 घंटे के अखंड कीर्तन शंभू ओंकारा अविनाशी गंगाधर कैलाशी का आयोजन विगत 61 वर्षों से चला आ रहा है । इसी क्रम में शिव कीर्तन मंडल एवं शिव महिला मंडल के तत्वाधान में 62 वें शंभू ओमकारा अविनाशी गंगाधर कैलाश अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया । जिसकी पूर्णाहुती मंगलवार रात्रि 10 बजे महाआरती के साथ हुई। अखंड कीर्तन के लिए मंदिर को आकर्षक विद्युत सजा से सजाया गया तो वहीं वैद्यनाथ महादेव का फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया।

सोमानी ने बताया कि शिव कीर्तन मंडल एवं शिव महिला मंडल के संरक्षक शोभाराम गुलाबवानी सूरत से अखंड कीर्तन हेतु पधारे,जिन्होंने मंडली के साथ प्रतिदिन अखंड कीर्तन में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि सूरत से बड़ी संख्या में बूंदी पहुंचे व्यापारियों ने भी अखंड कीर्तन में हिस्सा लिया। अखंड कीर्तन के अंतर्गत तीन दिवस तक अखंड रूप से शंभू ओमकारा का जाप किया गया। अखंड कीर्तन के अवसर पर गोरखपुर प्रशासन की धार्मिक पुस्तकें आधे मूल्य में आमजन को उपलब्ध कराई गई। जिसकी स्टाल भी प्रतिदिन मंदिर परिसर में लगाई गई। इस दौरान शहर का माहौल भी भक्ति रहा। इस अवसर पर प्रतिदिन भक्त जनों को अलग-अलग मिष्ठानों का प्रसाद वितरित किया गया। समापन के अवसर पर बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा, संरक्षक शोभाराम गुलाबवानी, आचार्य पण्डित योति शंकर शर्मा, पूर्व सभापति संतोष कटारा लंका गेट व्यापार सघ अध्यक्ष कालू कटारा कीर्तन मंडल एवं शिव महिला मंडल के महिला पुरुष सहित शहर की धर्म प्रेमी जनता मौजूद रही।

शहर में विकास कार्यों का जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने बुधवार को बूंदी शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गति लाने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने निरीक्षण की शुरुआत खेल संकुल से की, जहाँ उन्होंने आगामी 11 जुलाई को आयोजित होने वाले जिला वन महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने परिसर में व्यापक साफ-सफाई करवाने और पौधारोपण के लिए निर्धारित संख्या के अनुसार गड्ढे खुदवाने के निर्देश दिए ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सकें। इसके पश्चात, जिला कलक्टर ने नगर परिषद द्वारा करवाए जा रहे नाला सफाई कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने नालों के किनारे जमा मिट्टी और गाद को तत्काल हटाने के निर्देश दिए ताकि बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हों। उन्होंने नवल सागर झील के किनारे चल रहे पर्यटन विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने वहां निर्माणाधीन फाउंटेन के शेष कार्यों को शीघ्रता से पूरा करवाने के निर्देश दिए ताकि पर्यटकों को इसका लाभ मिल सकें।

जिला कलक्टर ने जिला चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के नवीन ब्लॉक का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गति बढ़ाने के लिए पर्याप्त संख्या में श्रमिक लगाने पर जोर दिया। साथ ही, मरीजों के परिजनों की सुविधा के लिए खुले क्षेत्र में बेंच लगाने और एक उद्यान विकसित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि डे-केयर सेंटर के रिनोवेशन का कार्य आगामी 15 दिवस में पूर्ण किया जावें। निरीक्षण के बाद जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों की बैठक भी ली। निरीक्षण के दौरान उपवन संरक्षक बूंदी देवेन्द्र सिंह भाटी, कार्यवाहक नगर परिषद आयुक्त धर्मेन्द्र मीणा, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एल.एन.मीणा, आरयूआईडीपी की अधिशाषी अभियंता सोनम शर्मा, आरएसआरडीसी के सहायक अभियंता सुरेन्द्र गुर्जर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

वन भूमि की एवज में वन विभाग को भूमि आवटित

बारां। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने अधिशाषी अभियंता, सार्व0 निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा द्वारा भूमि आवंटन की मांग पर उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार छीपाबड़ौद की अनुशंषा पर एन.एच. 90 से मायडीखेडा सड़क निर्माण कार्य में आ रही 2.25 हैक्टेयर वन भूमि तथा 303 महत्वपूर्ण कार्यों के अन्तर्गत करनी से रामनगर सड़क निर्माण कार्य हेतु 1.96 हैक्टेयर कुल रकबा 4.21 हैक्टेयर वन भूमि की एवज में ग्राम बजरंगपुर, तहसील छीपाबड़ौद की आराजी ख.न. 125 रकबा 13.6541 है0 में से 4.21 हेक्टेयर आरक्षित भूमि वन विभाग को निःशुल्क आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है।

अ.भा. अग्रवाल महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित, कोटा जिला सम्मानित

कोटा। अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग मथुरा में आयोजित की गई जिसमें कोटा जिला सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल ने बताया कि कोटा जिला में सर्वाधिक मेंबर बनाने व सामाजिक कार्यक्रम में कोटा जिला नंबर 1 पर आने के उपलक्ष में कोटा जिला संरक्षक सुरेंद्र अग्रवाल व कोटा जिला अध्यक्ष सुरेश गर्ग को अग्र गौरव स्मृति चिन से सम्मानित किया गया। वहीं अन्य पदाधिकारियों को स्मृति चिन से सम्मानित किया गया। इनमें मुख्य रूप से अनिल अग्रवाल चूने वाले, सत्यनारायण अग्रवाल डीसीएम, महेश अग्रवाल, डॉ. प्रदीप अग्रवाल, अरविंद गोयल, सुरेश गोयल, नवीन मित्तल, सीए मोहित अग्रवाल, आशीष गोयल रहे। को बधाई देते हुए कहा कि समाज को जोड़ने एकजुट करने में कोटा टीम का अथक प्रयास रत हैं।

आगामी मीटिंग कोटा में-

सुरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान आगामी मीटिंग कोटा जिला में किए जाने की घोषणा की गई। सुरेश चंद्र गर्ग व अनिल अग्रवाल चूने वाले ने बताया कि कोटा शिक्षा नगरी के नाम से जानी जाती हैं यहां सभी जगह से बच्चे आते है आशीष गोयल ने बताया कि मीटिंग के लिए विशेष व्यवस्था व आने वाले अतिथियों की अच्छी व्यवस्था की जाएगी उसके लिए तैयारी चालू कर दी गई हैं। सभी को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी मीटिंग में सभी प्रांत से लोगों को लाने छोड़ने की उतम व्यवस्था भी रहेगी।

इनरव्हील क्लब द्वारा दिव्यांग-जरूरतमंद को एक माह का राशन निःशुल्क प्रदान किया गया

बारां। इनरव्हील क्लब बारां द्वारा एक मानवीय तथा सराहनीय सेवा कार्य कार्य करते हुए दिव्यांग एवं जरूरतमंद को एक माह का राशन निःशुल्क प्रदान किया। कल्ब की अध्यक्षा नीतू गुप्ता के नेतृत्व में किए गए सराहनीय कार्य के दौरान उन्होंने दोनों पैरों से विकलांग और अत्यंत जरूरतमंद व्यक्ति शहर के तेल फैक्ट्री निवासी भीमराज खेवत को एक माह का संपूर्ण राशन उपलब्ध करवाया। गुप्ता ने बताया कि भीमराज खेवत परिवार में अकेले हैं और उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहद कमजोर है, विकलांगता के कारण उन्हें अपने दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इनरव्हील क्लब द्वारा उनकी स्थिति को समझते हुए उनके भोजन की जिम्मेदारी उठाई और एक माह का राशन किट निशुल्क प्रदान किया। उक्त सेवा कार्य क्लब की कोषाध्यक्ष मंजू बंसल का विशेष सहयोग रहा।

जिले में उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आज

बारां। एडीएम दिवांशु शर्मा ने बताया कि जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जुलाई माह का त्रि स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम घोषित किया गया है, जिसके तहत माह के द्वितीय गुरुवार 10 जुलाई प्रातः 11 बजे से जिले के समस्त उपखण्डों में जनसुनवाई की जाएगी। जिसमे आमजन की परिवेदनाओं व समस्याओं की सुनवाई कर समाधान किया जाएगा।

रोटरी क्लब ने निर्धन एवं अक्षम लोगों को वर्षा से बचने के लिए किये रेनकोट व छाता वितरण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां। रोटरी क्लब द्वारा बारिश के मौसम को मद्देनजर रखते हुए निर्धम एवं अक्षम लोगों को वर्षा से बचने के लिए रेनकोट एवं छातो का वितरण किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया ने कहा कि मैं मानव सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ती रही हूं, और जब-जब भी जहां-जहां भी अपेक्षित आमजन को मदद पहुंचाने की आवश्यकता हुई, उसी के अनुरूप पूरी पूरी मदद करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब अनेक प्रकार के जन उपयोगी एवं मानव सेवा से जुड़े कार्यों को बखूबी अंजाम देता आया है।

रोटरी क्लब अध्यक्ष सूर्य प्रकाश विजय व सचिव महेश तिवारी ने बताया कि क्लब के द्वारा कई अनेक सामाजिक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया हैं। रोटेरियन राकेश सेठी, पूर्व सचिव अशोक बिसराती, राजेन्द्र मित्तल, जितेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि क्लब द्वारा और भी कई सेवा कार्यों के संकल्प लिए गए हैं।

डॉ. त्रिवेश बरदानिया व आदित्य जैन ने बताया कि आगे रोटरी क्लब द्वारा सेवा के नये आयाम स्थापित किये जायेगें। क्लब की पहली महिला कल्पना विजय ने श्रीमती भाया का स्वागत किया।

पूर्व अध्यक्ष सुनील जैन, रोटेरियन धीरज तिवारी, प्रदीप मारू ने बताया कि गत 07 जुलाई को जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया के जन्मदिन के अवसर पर क्लब सदस्यों द्वारा डॉ. त्रिवेश बरदानिया के क्लिनिक पर उनका स्वागत सम्मान करके केक कटवाया एवं जन्मदिन की बधाईयां दी गई। अन्त में दीपक जैन व महेश तिवारी ने सभी श्रमिकों को धन्यवाद दिया।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

बारां। भारत सरकार की विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों (पीवीटीजी) के लिए चलाए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले के जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी शिविर 10 जुलाई गुरुवार को ब्लॉक किशनगंज की ग्राम पंचायत नाहरगढ, ब्लॉक अटरु की ग्राम पंचायत अंताना, ब्लॉक मांगरोल की ग्राम पंचायत मऊ, ब्लॉक छीपाबडौड़ की ग्राम पंयायत कचनारिया कलां, कुम्भाखेड़ी, ब्लॉक बारां की ग्राम पंचायत सम्बलपुर, ब्लॉक शाहाबाद की ग्राम पंचायत शुभधरा, ऊनी व राजपुर में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

राजस्थान सरकार का ध्यान आमजन की समस्यायों के प्रति गंभीर नहीं - भजनलाल जाटव

सांसद जाटव ने रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर.. रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते सांसद भजनलाल जाटव

धौलपुर। करौली-धौलपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल जाटव दो दिन के प्रवास पर मंगलवार को धौलपुर पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जनसुनवाई की। सुबह जन सुनवाई के दौरान सर्किट हाउस में जिले से बड़ी संख्या में आमजन ने सांसद से मुलाकात कर प्रमुख समस्याओं में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट, शहर में पेयजल आपूर्ति सुचारू एवं नियमित ना होना, अघोषित बिजली कटौती, क्षतिग्रस्त सड़कें, सड़क निर्माण, शहर में सीवरेज समस्या, जलभराव, अमान परिवर्तन के कारण अवरुद्ध रास्ते सहित विभिन्न समस्याओं से सांसद को अवगत कराया।

सांसद भजनलाल जाटव ने कहा कि राजस्थान सरकार का ध्यान आमजन की समस्यायों के प्रति गंभीर नहीं है सरकार को आमजन की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने जल निकासी के लिए प्रयास किए हैं वह काफी नहीं। जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान होना चाहिए जिससे आमजन को राहत मिल सके। मंत्रालय में बात रखने एवं सांसद भजनलाल जाटव के प्रयासों से राष्ट्रीय राज्य मार्ग 44 के अंतर्गत धौलपुर में मचकुंड चौराहे पर 60 मी. फ्लाईओवर जिसकी निर्माण लागत लगभग 25 करोड़ तथा सदर थाने के समीप एक (वीयूपी) लागत लगभग 17 करोड़ रूपया राष्ट्रीय राजमार्ग धौलपुर नगर में 12 किलोमीटर सर्विस रोड दोनों ओर पर सीसी रोड एवं ड्रेनेज निर्माण का काम जिसकी लागत लगभग 12 करोड़ रुपए हेतु मंजूर किए गए हैं।

» धौलपुर.. जन सुनवाई करते सांसद जाटव एवं साथ में पूर्व जिलाध्यक्ष दुर्गादत्त शास्त्री एवं जिलाध्यक्ष साकेत बिहारी

सांसद भजनलाल जाटव ने कहा कि वाया करौली-जयपुर से आते समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था उसके लिए करौली बाईपास का लगभग 300 करोड़ की लागत से निर्माण होगा जिससे धौलपुर एवं करौली की जनता को इसका लाभ मिलेगा। सांसद भजनलाल जाटव ने रेलवे स्टेशन के निर्माणाधीन बिल्डिंग एवं कार्यों का निरीक्षण किया। सांसद ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा की निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ टीम द्वारा निर्माण कार्यों की जांच कराई जाएगी। उन्होंने के प्रोजेक्ट मैनेजर से बात कर कार्य को मानकों के अनुरूप करने के निर्देश प्रदान किये। साथ ही कहा कि निर्माण कार्य में बिल्डिंग में फर्श लेवल समतल नहीं है। स्टील रेलिंग, ग्रेनाइट घटिया क्वालिटी का काम में लिया जा रहा है। बिल्डिंग का काम लगभग पूर्ण है सेनेटरी का काम एवं बिजली फिटिंग नहीं हुई। उन्होंने निरीक्षण में पाया कि निर्माणाधीन बिल्डिंग में फर्श का लेवल, स्टील रेलिंग, कॉलम, बीम आदि का काम संतोषजनक नहीं है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने की निर्देश देते हुए कहा कि सरकार के पैसे का सदुपयोग होना चाहिए। सांसद भजनलाल जाटव को जीआरपी पुलिस चौकी प्रभारी ने ज्ञापन देकर कहा की चौकी का निर्माण 1957 में हुआ था 2009 में इस बिल्डिंग को नाकारा घोषित कर दिया गया। सांसद से जीआरपी पुलिस चौकी का निर्माण कर सुविधा उपलब्ध करने के लिए ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पं. साकेत बिहारी शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष पंडित दुर्गादत्त शास्त्री ने कहा कि सांसद के प्रयासों से क्षेत्र की दूरगामी समस्याओं का समाधान संभव हो सकेगा। इस अवसर पर संगठन महासचिव धनेश जैन जिला एससी विभाग अध्यक्ष दर्शन लाल, प्रदेश सचिव, युवा नेता रविन्द्र मौर्य, सरपंच राम लखन मीणा सरपंच, सेवादल की अध्यक्ष समृद्धि दीक्षित, सरपंच राजेश मीणा, सरपंच राजेश शिकरवार, सुलेमान फारुकी, नाहर सिंह राजाखेड़ा, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष सिबबू लोधा, सेवादल बड़ी अध्यक्ष शबनम खान सेवादल प्रभारी रोशनी शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष अविनाश शास्त्री, पार्षद सद्दाम खान, पार्षद जीतू कंसाना, श्यामू पंडित, लोकेंद्र कढेरा, हरविलास रजक, पूर्व प्रधान पंचायत समिति रामहेत कुशवाह, बनवारी लाल जाटव, सुरेंद्र दरियापुर, पूर्व पार्षद युवा नेता गुड्डू कुरैशी, श्याम पंडित, कांग्रेस युवा नेता अभिषेक यादव, भगवान दास जाटव,सहित वरिष्ठ कांग्रेस जन मौजूद रहे।

» धौलपुर.. तोप तिराहे पर बनी दुकानो को ध्वस्त करती जेसीबी

संतर रोड तोप तिराहा पर दर्जनभर दुकानों को किया ध्वस्त

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

» धौलपुर.. नाले के ऊपर बने अवैध निर्माण अतिक्रमण को किया ध्वस्त

धौलपुर। शहर में जलभराव की समस्या को देखते हुए नगर परिषद द्वारा बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर में हो रहे जलभराव को देखते हुए बड़ी कार्यवाही करते हुए सबसे पहले रुंध स्थित कॉलोनी में नाले के ऊपर हो रहे अतिक्रमण को हटाया गया। जिससे उस क्षेत्र के लोगों को जलभराव से अवश्य ही निजात मिलेगी। वहीं दूसरी कार्यवाही करते हुए संतर रोड स्थित तोप तिराहा पर लगभग एक दर्जन दुकानों को ध्वस्त किया गया। आयुक्त शर्मा ने बताया कि यह दुकानें नगर परिषद की थी जो काफी पुरानी थी जो जर्जर हो चुकी थी। इसलिए परिषद ने इन दुकानों को तोड़ दिया गया है। वहीं तीसरी कार्यवाही करते हुए आयुक्त ने बताया कि कुछ लोगों की शिकायत पर सीएम परिवाद मिलने पर बाग भवा साहब बाड़े में नाले ऊपर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर निर्माण कर रखा था। जिसे जेसीबी द्वारा ध्वस्त किया है। कार्यवाही के दौरान पुलिस जाप्ता व नगर परिषद की टीम मौजूद रही।

» धौलपुर.. मकान को खाली करवाने के लिए समझाते आयुक्त अशोक शर्मा

बच्चों व युवाओं को तकनीकी और शैक्षणिक संसाधनों से जोड़ने में करें सहयोग - एएन सोमनाथ

» धौलपुर.. बैठक में मौजूद सीईओ एएन सोमनाथ एवं मौजूद अन्य

जिला परिषद् धौलपुर में डिजिटल लाइब्रेरी पर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला परिषद् में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ), ग्राम विकास अधिकारी (बीडीओ), सरपंचगण, प्रधानाध्यापक, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, जिला शिक्षा अधिकारी, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की 18 पंचायतों में स्थापित की जा रही डिजिटल लाइब्रेरियों को लेकर आवश्यक योजनाओं और व्यवस्थाओं पर चर्चा करना था। बैठक में लाइब्रेरी भवनों की मरम्मत, आवश्यक फर्नीचर की व्यवस्था, बिजली की आपूर्ति सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

इसके साथ ही, लाइब्रेरी के सुचारू संचालन और रख-रखाव हेतु आमजन से सुझाव आमंत्रित किए गए। निर्णय लिया गया कि प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी के लिए एक निगरानी समिति गठित की जाएगी, जो लाइब्रेरी के संचालन, सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाएगी।सीईओ ने उपस्थित सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस पहल को जन-भागीदारी से सफल बनाएं और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों व युवाओं को तकनीकी और शैक्षणिक संसाधनों से जोड़ने में सहयोग करें।

» राजाखेड़ा.. घर की छत पर ढले तार

विद्युत के चोरी के खिलाफ कार्रवाई में 23 वीसीआर भर 14.75 लाख का लगाया जुर्माना

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। विद्युत विभाग के जोनल चीफ अभियंता उमेश गुप्ता के आदेशानुसार अधिक्षण अभियंता जेवीवीएनएल राजेश कुमार वर्मा और अधिशासी अभियंता विवेक शर्मा के निर्देशन में सहायक अभियंता आनंद तिवारी और कनिष्ठ अभियंता मयंक मिश्रा और कनिष्ठ अभियंता ग्रामीण विशाल जायसवाल ने बुधवार को विद्युत चोरी के खिलाफ कठोर कार्यवाही करते हुए एसी और अत्यधिक लोड लेने वाले उपकरणों को सर्च कर 23 वीसीआर मौके पर ही भर कर करीब 14.70 लाख का जुर्माना लगाया।

सहायक अभियंता आनंद तिवारी ने मौके पर मौजूद लोगों से अपील की वे विद्युत चोरी न करें। प्रधानमंत्री द्वारा जारी प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में सोलर प्लांट लगवा कर योजना का लाभ लें कनेक्शन ले सकते हैं। जिसमें सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है और सरकार द्वारा 300 यूनिट्स विभाग द्वारा एक दम फ्री मिलेगी। जिसका आमजन ज्यादा से ज्यादा फायदा लेवें। जिससे बिजली के बिल से राहत मिल सके। साथ ही लोगों से अपील की वे विद्युत चोरी न करें ये कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है। जिन लोगों ने अभी तक विद्युत कनेक्शन नहीं लिया है वे अपनी फाइल लगावे और हाथों ही हाथ विद्युत मीटर कनेक्शन कराये। साथ ही जिन उपभोक्ताओं के बिल जमा नहीं है वे तुरंत अपना बकाया बिल जमा करवाए, जिससे अनावश्यक कारवाही से होनी वाली परेशानी से बच सके। तिवारी ने बताया कि जल्द ही ड्रोन द्वारा बिजली चोरों को पकड़ा जाएगा और बिजली चोरी पकड़ने के लिए ततैया मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दिया गया है जल्द ही बहुत बड़ी बड़ी विद्युत चोरी को चिह्नित कर कठोर कार्यवाही की जाएगी साथ ही लोगों से कहा अगर किसी ने दूसरी बार चोरी की तो सीधे जेल भेजने की कार्यवाही की जाएगी उक्त कार्यवाही में वरिष्ठ टेक्नीशियन अवधेश शर्मा, रमेश लोधा, लक्ष्मण सिंह, वीरेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, गोपाल कुशवाह, मनोज, जगदीश, भूदेव शर्मा, कृष्णा, चित्र सिंह, अनीश खां, डालचंद, राजकुमार, संजीव फौजी, अकील खां आदि कर्मचारी साथ रहे।

पोश एक्ट का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित माहौल देना है- सुरेश प्रकाश भट्ट

एडीआर परिसर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश अरुण कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में बुधवार को स्थायी लोक अदालत अध्यक्ष सुरेश प्रकाश भट्ट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रेखा यादव द्वारा एडीआर परिसर में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न पोश एक्ट के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे सचिव रेखा यादव द्वारा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013) एवं पोश एक्ट के बारे में जानकारी दी। अध्यक्ष सुरेश प्रकाश भट्ट द्वारा उपस्थित कर्मचारीगणों को बताया कि पोश एक्ट का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न को रोककर महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित, गरिमापूर्ण, उत्पीड़न मुक्त वातावरण उपलब्ध करवाना है। किसी विभाग, संगठन, संस्था, कार्यालय, कम्पनी, अस्पताल तथा संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के अन्य कार्यस्थलों पर छेड़छाड़, अनुचित शारीरिक स्पर्श, अश्लील मौखिक टिप्पणी की शिकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए पोश एक्ट को लागू किया गया है। सचिव यादव द्वारा उपस्थित कर्मचारीगणों को बताया कि पोश एक्ट, जिसका अर्थ कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 है, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न को रोकने और उससे निपटने के लिए बनाया गया है। यह अधिनियम 9 दिसंबर, 2013 को लागू हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच और समाधान के लिए एक तंत्र स्थापित करना है। कार्यस्थलों पर कार्यरत महिलाओं की सुरक्षा व उनकी लैंगिक उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए प्रत्येक कार्यस्थल पर आंतरिक परिवाद समिति और सम्पूर्ण जिले के लिए जिला कलेक्ट्रेट स्तर पर एक स्थानीय परिवाद समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। महिलाओं को लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत के आवेदन की प्रक्रिया, शिकायत की जांच के दौरान की जाने वाली कार्रवाई, लैंगिक उत्पीड़न की शिकार महिला के अनुरोध पर सुलह के माध्यम से विवाद का निस्तारण, लैंगिक उत्पीड़न के मामलें में प्रतिकर राशि का भुगतान, लैंगिक उत्पीड़न के मामले में दोषी को मिलने वाली सजा, लैंगिक उत्पीड़न की झूठी शिकायत करने, गलत एवं कूटरचित दस्तावेज पेश करने पर महिला के विरुद्ध की जाने वाली विधिक कार्यवाही के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का समस्त स्टाफ एवं स्थाई लोक अदालत का समस्त स्टाफ एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

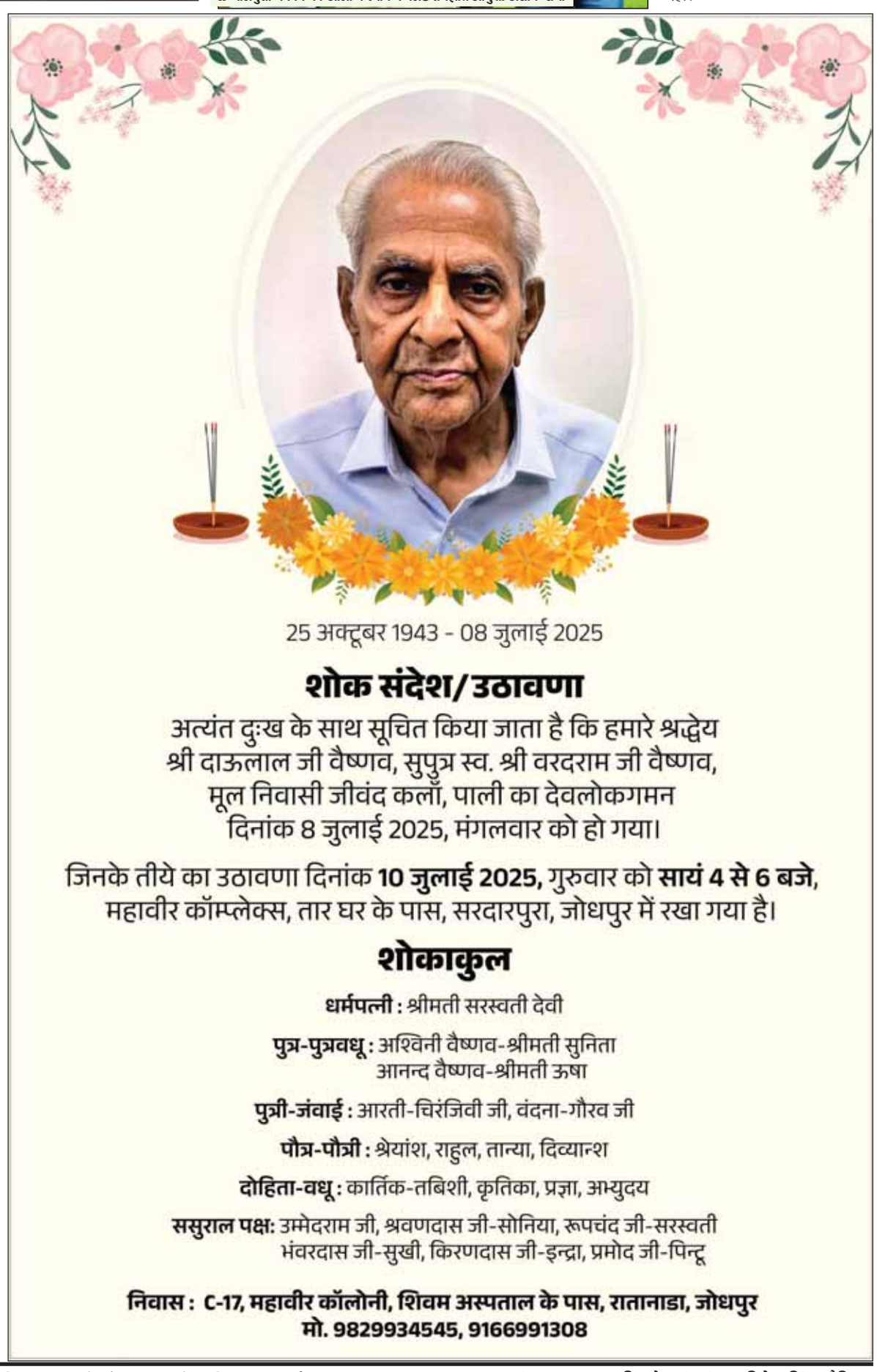

25 अक्टूबर 1943 - 08 जुलाई 2025

शोक संदेश/उठावणा

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे श्रद्धेय
श्री दाऊलाल जी वैष्णव, सुपुत्र स्व. श्री वरदराम जी वैष्णव,
मूल निवासी जीवंद कलाँ, पाली का देवलोकगमन
दिनांक 8 जुलाई 2025, मंगलवार को हो गया।

जिनके तीये का उठावणा दिनांक **10 जुलाई 2025,** गुरुवार को **सायं 4 से 6 बजे,**
महावीर कॉम्प्लेक्स, तार घर के पास, सरदारपुरा, जोधपुर में रखा गया है।

शोकाकुल

धर्मपत्नी : श्रीमती सरस्वती देवी

पुत्र-पुत्रवधू : अश्विनी वैष्णव-श्रीमती सुनिता
आनन्द वैष्णव-श्रीमती ऊषा

पुत्री-जंवाई : आरती-चिरंजिवी जी, वंदना-गौरव जी

पौत्र-पौत्री : श्रेयांश, राहुल, तान्या, दिव्यान्श

दोहिता-वधू : कार्तिक-तबिशी, कृतिका, प्रज्ञा, अभ्युदय

ससुराल पक्ष: उमेदराम जी, श्रवणदास जी-सोनिया, रूपचंद जी-सरस्वती
भंवरदास जी-सुखी, किरणदास जी-इन्द्रा, प्रमोद जी-पिन्टू

निवास : C-17, महावीर कॉलोनी, शिवम अस्पताल के पास, रातानाडा, जोधपुर
मो. 9829934545, 9166991308

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक **चन्द्रप्रकाश शिवहरे** के लिए मै. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं साई स्मार्ट सिटी,नगर परिषद ऑफिस के निकट,मचकुण्ड रोड,धौलपुर(राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. **RAJHIN/2009/27740 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, प्रबंध संपादक जितेन्द्र सिंह रजौरिया।**
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र धौलपुर न्यायालय होगा। फोन: 05642-224444, 224666, 224777 फैक्स: 223324 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय संपादक जिम्मेवार